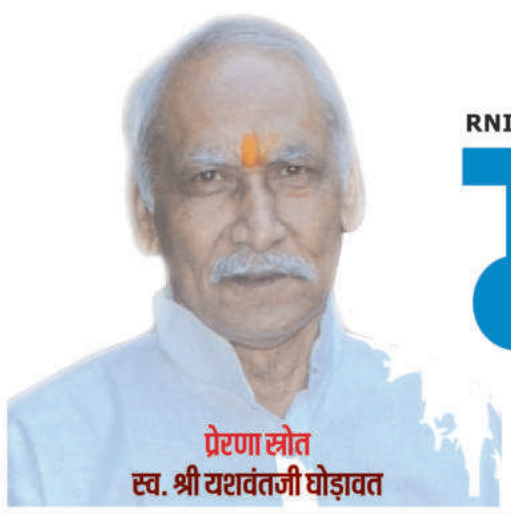

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

इस दुनिया में किसी के साथ खुद की तुलना मत करो यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप खुद का अपमान कर रहे हैं।

बिल गेट्स

वर्ष-06, अंक - 10 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 30 नवम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

मुख्यमंत्री और मंत्री से मिलकर बिलों पर चर्चा करो, नहीं तो हम बैठे हैं- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आठ विधेयकों पर निर्णय लिया है। साथ ही कोर्ट ने राज्यपाल को विधेयकों पर चर्चा करने के लिए संबंधित मंत्री के साथ-साथ मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से भी मिलने को कहा है। न्यायालय ने उम्मीद जताई कि, कोई ''राजनीतिक दूरदर्शिता'' से काम लिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्यपाल कार्यालय की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की दलीलों पर ध्यान दिया। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि आठ विधेयकों में से सात को राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए ÷रिजर्व÷ रखा गया है, जबकि एक को मंजूरी दे दी गई है।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राज्य सरकार की एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के बीच विधानसभा से पारित आठ में से एक लंबित विधेयक को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार की याचिका में राजभवन पर विधेयकों को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी करने का आरोप लगाया गया है। राजभवन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्यपाल ने महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य विधेयक को मंजूरी दे दी है, जबकि विवादित विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक समेत सात विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए उनके (राज्यपाल के) पास लंबित है।

बुधवार को शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को समयबद्ध तरीके से विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को सहमति देने या अस्वीकार करने पर राज्यपालों के लिए दिशानिर्देश जारी करने की अपनी याचिका में संशोधन करने की अनुमति दी। पीठ ने कहा, हम रिकॉर्ड करेंगे कि राज्यपाल, मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री दोनों से चर्चा करेंगे...। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, उम्मीद करते हैं कि राज्य में कुछ राजनीतिक दूरदर्शिता से काम लिया जाएगा। अन्यथा हम यहां कानून बनाने के लिए और संविधान के तहत अपने कर्तव्य निभाने के लिए मौजूद हैं...।

मोदी जी, स्कूल तक सड़क बनवा दीजिए, कई बार गिरी हूं

उधमपुर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ की एक स्कूली छात्रा सीरत नाज के नक्शेकदम पर चलते हुए उधमपुर जिले की एक दिव्यांग बेटी ने देश के सबसे शक्तिशाली नेता से खास अनुरोध किया है। कठुआ की सीरत नाज ने एक वायरल वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपने स्कूल को गंभीर संकट से निकालने और अपने व अपने साथियों के लिए बेहतर सीखने का माहौल और बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। 8 वर्ष की सीरत नाज ने एक वीडियो बनाई जिसमें उन्होंने स्कूल की खस्ता हालत को बयां किया था। बाद में प्रशासन एक्शन में आया और स्कूल को बेहतर किया गया। अब काजल नाम की लड़की ने भी पीएम मोदी से इसी तरह का अनुरोध किया है।

लड़की ने अपना नाम काजल बताया है। उसने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में उसके स्कूल तक जाने वाली बेहतर सड़कें बनाने का आग्रह किया है। अपने पत्र में, लड़की ने कहा कि वह मेल्डी के सरकारी मिडिल स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती है। यह स्कूल उधमपुर जिले के फंग्याल पंचायत के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में आता है।

पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में काजल ने अपनी और स्कूल में अपने दोस्तों की रोजमर्रा की तकलीफों को किया है। उन्होंने लिखा कि, स्कूल तक पहुंचने वाली एकमात्र सड़क की हालत ऐसी है कि वह इस पर आते-जाते समय कई बार गिर गई। काजल ने लिखा, ÷मैं स्कूल जाते समय इस सड़क पर कई बार गिरी हूं। सड़क की हालत ऐसी है कि मेरे और मेरे दोस्तों के लिए इस पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं है। मैं आपसे (पीएम मोदी) आग्रह करती हूं कि हमारे लिए स्कूल तक जाने वाली बेहतर सड़कें बनवाएं।''

देश के सबसे शक्तिशाली नेता को लिखे काजल के भावपूर्ण पत्र ने इस सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित किया है। स्कूल में कुल 101 छात्र हैं, जिनमें कई दिव्यांग भी हैं। स्कूल तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता वर्तमान में ऐसा है जिस पर कोई व्हीकल नहीं जा सकती। ऐसी स्थिति में होने के कारण, छात्रों के पास गिरने और दुर्घटनाओं का जोखिम उठाकर स्कूल जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

विकसित भारत 2047 के लिए तैयार हो रहा एक विजन प्लान- नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रमण्यम ने बुधवार को कहा कि, भारत को 2047 तक लगभग 3 हजार अरब डॉलर की विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है।

'विजन इंडिया 2047' डॉक्यूमेंट के मसौदे में उन संस्थागत एवं संरचनात्मक परिवर्तनों एवं सुधारों की रूपरेखा रखी जाएगी, जिनकी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आवश्यकता होगी।

क्या कुछ बोले सुब्रमण्यम...?

फिक्की के एक कार्यक्रम में सुब्रमण्यम ने कहा कि, भारत को एक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक विजन प्लान तैयार किया जा रहा है3 प्रधानमंत्री जनवरी में विजन डॉक्यूमेंट जारी करेंगे। नीति आयोग को 2023 में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के लिए 10 क्षेत्रीय विषयगत दृष्टिकोणों को मिलाकर एक संयुक्त दृष्टिकोण तैयार करने का कार्य सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि सरकार कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं की नामांकन दर को बढ़ाना चाहती है। ऐसे में 27 फीसद से बढ़ाकर इसे 50-60 फीसद तक ले जाना है। इससे कॉलेज जाने वाले लोगों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आठ-नौ करोड़ हो जाएगी। इसके लिए हमें मौजूदा हजारों नई यूनिवर्सिटीज की आवश्यकता होगी।

भारत पर लगा पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अमेरिकी धरती पर एक सिख चरमपंथी की हत्या की साजिश से संबंधित आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। एक अखबार ने अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए पिछले हफ्ते रिपोर्ट दी थी कि, अमेरिकी अधिकारियों ने गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को विफल कर दिया और इस साजिश में शामिल होने की चिंताओं पर भारत सरकार को चेतावनी जारी की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बुधवार को कहा कि, भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए 18 नवंबर को एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया।

पन्नू एक सिख चरमपंथी और एक अमेरिकी और कनाडाई नागरिक के रूप में जाना जाता है भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा विभिन्न आतंकी आरोपों में वांछित है। बागची ने कहा, हम पहले ही कह चुके हैं कि द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर अमेरिका के साथ चर्चा के दौरान, अमेरिकी पक्ष ने संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठ-गांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए थे। हमने यह भी संकेत दिया था कि भारत ऐसे इनपुट को गंभीरता से लेता है क्योंकि वे हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर भी प्रभाव डालते हैं और संबंधित विभाग पहले से ही इस मुद्दे की जांच कर रहे थे। इस संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि 18 नवंबर को भारत सरकार ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं को देखने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया था।

पैगंबर के अपमान पर कश्मीर के कॉलेजों में तनाव, जगह-जगह हुए आंदोलन

श्रीनगर, एजेंसी।

पैगंबर मोहम्मद पर एक सोशल मीडिया पोस्टर ने जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में तनाव पैदा हो गया है। श्रीनगर के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इसके खिलाफ प्रदर्शन भी हुए थे और अब दूसरे संस्थानों में भी इसका असर दिख रहा है। कश्मीर से बाहर एक छात्र की ओर से पैगंबर मोहम्मद पर की गई सोशल मीडिया पोस्ट से माहौल बिगड़ गया है। ऐसे में सुरक्षा बलों के लिए भी इससे निपटना चुनौती होगा। खासतौर पर कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों तनाव पैदा होना और ज्यादा मुश्किल की बात है। इन संस्थानों में सुरक्षा बलों की मौजूदगी भी सकारात्मक नहीं होगी और माहौल ज्यादा बिगड़ने पर तनाव फैलने की भी आशंका है। फिलहाल एनआईटी में माहौल को बिगड़ने से बचाने के लिए सभी अकादमिक गतिविधियां रोक दी गई हैं। परिसर में पुलिस और अर्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि, परिसर में किसी बाहरी शख्स, छात्र और यहां तक कि कर्मचारियों तक की एंट्री पर फिलहाल रोक लगा रखी है। पैगंबर पर टिप्पणी करने वाले छात्र को एक साल के लिए कैंपस से बाहर कर दिया गया है। लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि, उसके खिलाफ और भी सख्त ऐक्शन लेने की जरूरत है। इसी मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र आंदोलनरत हैं।

ये ही नहीं अब यह पैगंबर के अपमान का मुद्दा बन गया है। दूसरे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी इसका असर दिख रहा है। बुधवार को कई जगहों पर इसे लेकर विरोध प्रदर्शन हुए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सांप्रदायिक तनाव और वैमनस्यता बढ़ाने के आरोप में सेक्शन 153 के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा किसी धर्म के अपमान के आरोप में सेक्शन 295 के तहत केस दर्ज हुआ है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजिस्ट्रार ने पुलिस को इस मामले में केस दर्ज करने के लिए लिखा था।

आईटीबीपी के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को सौंपा अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईटीबीपी के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को सीआरपीएफ बल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। 30 नवंबर को एसएल थाओसेन रिटायर हो रहे हैं। बुधवार को एक आधिकारिक आदेश के जरिए यह जानकारी दी गई।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि मणिपुर कैडर के 1988-बैच के आईपीएस अधिकारी एडी सिंह को सीआरपीएफ बल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। वो सीआरपीएफ डीजी का पदभार संभालेंगे।

मध्य प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आईपीएस थाओसेन को पिछले साल अक्टूबर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) डीजी के रूप में नियुक्त किया गया था। उसी समय एडी सिंह को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया था।

सीआरपीएफ लगभग 3.25 लाख कर्मियों के साथ देश का सबसे बड़ा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) है। सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान चलाने सहित देश के आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में विभिन्न कर्तव्यों को निभाने के लिए तैनात किया गया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेंगे ड्रोन

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई योजनाओं को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के फैसलों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना को मंजूरी दी है। अनुराग ठाकुर ने बताया कि, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना को मंजूरी दी। कृषि उपयोग के लिए किसानों को 2023-24 से 2025-2026 के दौरान 15 हजार चयनित महिला को ड्रोन प्रदान किए जाएंगे। पिछले पांच वर्षों में करीब 13.50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया गया है। इससे 81 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। इसके लिए भारत सरकार 11 लाख 80 हजार करोड़ रुपए का खर्च करेगी।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट से संबंधित केसों की त्वरित सुनवाई के लिए चलाई जा रही फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की योजना को 3 वर्षों तक जारी रखने की स्वीकृति दी है।

इंफोसिस अधिकारी से 3.7 करोड़ रुपए की साइबर ठगी

बेंगलुरु।

आईटी कंपनी इंफोसिस के सीनियर एग्जीक्यूटिव के साथ 3.7 करोड़ रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। साइबर-क्रिमिनल्स ने उनसे ट्राई, सीबीआई और मुंबई पुलिस के अधिकारी के तौर पर बातचीत की थी। ठगों ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई सारे मामलों में उनकी मिलीभगत को लेकर गिरफ्तार करने की धमकी दी। एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने पुलिस को बताया, सबसे पहले 21 नवंबर को एक व्यक्ति ने मुझे कॉल किया। उसने बताया कि मुंबई के वकोला पुलिस स्टेशन में मेरे खिलाफ केस दर्ज हुआ है। साथ ही मेरे आधार कार्ड डिटेल्स को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज हुआ है।

ठगी के शिकार शख्स ने बताया कि, उन्हें अगले 2 दिनों तक लगातार फोन कॉल्स किए गए। इस दौरान उन्हें अपने पर्सनल अकाउंट से अलग-अलग बैंक खातों में 3.7 करोड़ रुपए ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने आईटी एक्ट और आईपीसी की धारा 419 व 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि, 3 करोड़ रुपए से अधिक की राशि गायब हुई है, इसे देखते हुए यह केस सीआईडी को सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि अब उन बैंक खातों को फ्रीज किया जा रहा है जिनमें पैसे भेजे गए थे।

वीडियो कॉल के जरिए दिखाया फेक पुलिस स्टेशन

पुलिस रिपोर्ट अनुसार, फोन करने वाले ने खुद को ट्राई ऑफिसर बताया। इस मामले में शिकायतकर्ता के नाम पर जो सिम कार्ड रजिस्टर्ड थी उसका गैरकानूनी विज्ञापन पोस्ट करने में यूज होता था। जालसाजी के दौरान कॉल ऐसे शख्स को ट्रांसफर की गई जिसने खुद को मुंबई पुलिस का सीनियर अधिकारी बताया। उसने एग्जीक्यूटिव से कहा कि, जांच के सिलसिले में मुंबई और दिल्ली के सीबीआई ऑफिसर्स उनके घर का दौरा करेंगे। वे लगातार यह धमकी देते रहे कि ऐसा नहीं हुआ तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि, इस दौरान वीडियो कॉल पर भी बातचीत हुई थी। एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने पुलिस स्टेशन, खाकी पहने पुलिसकर्मी और शिकायत की कॉपी भी देखी। मगर, उन्हें इस बात का एहसास नहीं हुआ कि ये सब फर्जी है।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद गगनयान है प्राथमिकता- इसरो चीफ

कोलकाता, एजेंसी।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ का कहना है कि, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) कई लक्ष्यों पर काम कर रहा है। गगनयान मिशन एजेंसी की तत्काल प्राथमिकता है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम है। सोमनाथ ने कहा, हमारे पास कई प्रोजेक्ट्स हैं लेकिन अभी हमारा प्राथमिक लक्ष्य गगनयान है। किसी भारतीय को अंतरिक्ष में भेजना और सुरक्षित वापस लाना हमारे लिए मौजूदा वक्त की प्राथमिकता है।

इसरो चीफ कोलकाता के राजभवन में वैश्विक ऊर्जा संसद के 2023 सत्र से इतर मीडिया से बात कर रहे थे। बुधवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बोस ने सोमनाथ को राज्यपाल उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

ये है इसरो की प्लानिंग

गगनयान मिशन का लक्ष्य मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजना है। तीन दिवसीय इस मिशन के तहत इसरो के अंतरिक्ष यान को 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा, उसके बाद इसे वापस धरती पर लाया जाएगा। सोमनाथ ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी की योजना है भारत के अंतरिक्ष स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 तक स्थापित हो जाए और इसे 2035 तक पूरी तरह से एक्टिव किया जाएगा। इस वर्ष की शुरुआत में अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष एजेंसी को 2040 तक चंद्रमा पर एक मानवयुक्त मिशन का लक्ष्य रखने और 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का निर्देश दिया था।

नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 2024 के अंत तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को आईएसएस के लिए उड़ान भरने के लिए प्रशिक्षित करने में मदद करेगी।

एग्जिट पोल आज, असल नतीजे रविवार को

माही की गूंज, झाबुआ।

मतदान समाप्ति के बाद रिजल्ट के लिए मतदाताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। आज आखिरी चरण के मतदान तेलंगाना विधानसभा के बाद एग्जिट पोल के परिणाम शाम 6 बजे से प्रारंभ हो जाएंगे। लेकिन उसके बीच दोनों ही दलों के द्वारा अपनी-अपनी जीत के दावे किए जा रहे हैं। इन्ही दावों के बीच बालाघाट के जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा हुई चूक को कांग्रेस के लिए बड़ा मुद्दा मिल गया है।

बालाघाट में कलेक्टर की त्रुटि, अधिनस्त अधिकारी सस्पेंट , कांग्रेस ने बनाया मुद्दा।

थांदला विधानसभा से कांग्रेस-भाजपा के प्रत्याशी कलसिंह भाभर व वीरसिंह भाभर।

कांग्रेस ने डाकमतों में धांधली का आरोप लगा दिया है। इस मामले में चूक हुई अधिकारियों पर निलंबन की गाज भी गिरी है। लेकिन फिर भी परिणामो में अगर कांग्रेस विजय रहती है तो यह मामला ठंडे बस्ते में जा सकता है। वहीं कांग्रेस के लिए विपरीत परिणाम आने पर कांग्रेस इसे बड़ा मुद्दा बना सकती है और इसी मुद्दे पर ईवीएम में भी छेड़खानी का आरोप लगाकर इसे राष्ट्रीय मुद्दा भी बना सकती हैं। चुनाव जैसे संवेदनशील मामले में जिला अधिकारियों द्वारा की गई त्रुटि निश्चित रूप से असभ्य है और ऐसे मामले में चुनाव आयोग को ठोस कार्यवाही करना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो।

कलसिंह की कलाकारी या वीरसिंह की वीरता

लगभग एक माह पहले तक थांदला विधानसभा कांग्रेस के लिए सबसे सुरक्षित सीट मानी जा रही थी। यही नहीं टिकट वितरण के बाद कांग्रेस में कोई असंतोष नहीं था। जबकि भाजपा में दो सांसद प्रतिनिधियों ने भाजपा के प्रत्याशी कलसिंह भाभर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। लेकिन भाजपा प्रत्याशी कलसिंह भाभर ने क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर न केवल असंतुष्ट को साधने का काम किया, वरन अपने आप को मुकाबले में लाकर भी खड़ा कर दिया। अंतिम तीन दिन के प्रचार के बाद जो राजनीतिक विश्लेषक एक तरफा मुकाबले की बात कर रहे थे सबने अपने सुर बदल दिए और मुकाबला बराबर का बताने लगे। अब हालात यह बन रहे हैं कि, थांदला विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर है और मुकाबला कोई भी जीत सकता है।

राजनीति में आपसी संबंध खराब न करें...

चुनाव तो आते जाते रहेंगे और वैचारिक लड़ाई को चुनाव तक ही सीमित रखना चाहिए। चुनाव के बाद थांदला के एक धार्मिक कार्यक्रम में कांग्रेस प्रत्याशी वीरसिंह भूरिया और भाजपा प्रत्याशी कलसिंह भाभर की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कमेंट में कुछ इस तरह की प्रक्रिया सामने आई है और सही भी है। चुनाव तो 5 साल में एक बार आते हैं लेकिन पड़ोसियों और गांव के नागरिकों के संबंध तो आजीवन रहते हैं। राजनीति में वैचारिक मतभेद को मनभेद न मानते हुए चुनावी हार-जीत को स्वीकार करें और व्यक्तिगत संबंध बनाए रखें।

बिन मौसम वर्षा होने से रबी फसल की स्थिती का लिया जायजा

माही की गूंज, झाबुआ।

बीते दिनो जिले में हुई रबी मौसम की वर्षा से रबी फसलो की स्थिती एवं उर्वरक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला झाबुआ एनएस रावत द्वारा विकासखण्ड पेटलावद के विभिन्न ग्रामो का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सहकारी समितियो, नगद विक्रय केन्द्र तथा निजी उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानो का भी अवलोकन किया गया। अवलोकन के दौरान सहकारी एवं निजी क्षेत्र मे प्रर्याप्त मात्रा में उर्वरको का भण्डारण होकर वितरण कार्य सुचारू रूप से संचालित पाया गया।

श्री रावत द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरन कृषको से रूबरू होकर उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक का उठाव करने की सलाह दी गई एवं कृषको को बताया गया कि, जिले की सभी सहकारी समितियो एवं निजी क्षेत्र में प्रर्याप्त मात्रा मे उर्वरको का भण्डारण है।

कृषि विभाग द्वारा जिले के कृषको से अपील की गई है कि, अपनी आवश्यकतानुसार नजदिकी उर्वरक वितरण केन्द्र से उर्वरक का उठाव करे। नगद विक्रय केन्द्र से पावती की मूल प्रति एवं आधार कार्ड एवं सहकारी समितियों से परमिट पर उर्वरक क्रय कर सकते है। निरीक्षण के दौरान एसएस रावत, सहायक संचालक कृषि एवं स्थानीय कृषि विभाग एवं मार्केटिंग संस्था के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

लोकायुक्त ने रिष्वत लेते बिजली विभाग के इंजीनियर को रंगे हाथों पकड़ा

उज्जैन। एक व्यावसायिक कनेक्शन के लिए 12 हजार रुपए की रिश्वत लेना बिजली विभाग के इंजीनियर को महंगा पड़ गया। लोकायुक्त पुलिस की टीम ने बिजली विभाग के इंजीनियर मणि शंकर मनी को रिश्वत लेते हुए रंग हाथों पकड़ लिया। मामले की जानकारी देते हुए लोकायुक्त पुलिस ने बताया कि, उज्जैन के होटल संचालक को व्यावसायिक कनेक्शन लेना था। जिसके लिए उससे रिश्वत की मांग की जा रही थी। इस व्यावसायिक कनेक्शन के लिए बिजली विभाग के सहायक यंत्री ने 12 हजार रुपये की मांग की थी। कनेक्शन की मांग करने वाले होटल संचालक तृप्ति गुप्ता ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक से की। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा ने कनेक्शन के एवज में मांगी गई रिश्वत की शिकायत का परीक्षण कराया और उसे सही पाए जाने पर सहायक यंत्री को पकड़ने की रणनीति बनाई।

शादी का झांसा देकर करता रहा दुष्कर्म मामला हुआ दर्ज, युवति के साथ आरोपित का था 6 साल से संपर्क

इंदौर।

इंदौर के चंदन नगर थाना पुलिस ने मंगलवार को 23 वर्षीय युवती की शिकायत पर एयरलाइंस अफसर इम्तियाजुद्दीन कुरैशी के बेटे अयानुद्दीन कुरैशी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया। युवती ब्यूटीशियन है तथा आरोपित 6 वर्ष से युवति से संपर्क में था। बता दे कि, मामला दर्ज करवाने वाली युवती के कारण करिब ढाई वर्ष पूर्व स्वर्णबाग कालोनी में अग्निकांड हुआ था, इसमें सात लोगों की मौत हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, युवती की आरोपित अयानुद्दीन से मुंहबोले भाई के जरिये मुलाकात हुई थी। दोनों ने आपस में अपने मोबाइल नंबर साझा किए और एक-दूसरे से बातचीत करने लगे। युवती उसके साथ दूसरे शहरों में भी जाने लगी। अप्रैल 2018 में अयानुद्दीन ग्रीन पार्क कालोनी स्थित घर ले गया और शादी करने का बोलकर शारीरिक संबंध बनाए। पांच साल तक आरोपित शोषण करता रहा। शादी के बारे में पूछा तो कहा मां राजी नहीं है। युवती ने इस पर आपत्ति दर्ज करवाई।

आरोप है कि, अयानुद्दीन 23 नवंबर को घर आया और मारपीट की और शारीरिक संबंध बनाए। उसने धमकी दी कि, रिपोर्ट करने गई तो फोटो व वीडियो वायरल कर बदनाम कर देगा। पीड़िता तीन साल पूर्व विजय नगर थाना क्षेत्र स्थित स्वर्णबाग में रहती थी। उसकी संजय दीक्षित उर्फ शुभम से दोस्ती थी। अयानुद्दीन के संपर्क में आने के कारण संजय से विवाद होने लगा। गुस्से में उसने युवती की स्कूटी में आग लगा दी थी, जिससे आग पूरी इमारत में फैल गई और उसमें रहने वाले सात लोगों की दम घुटने से मौत हो गई थी।

रिटर्निंग व सहायक रिटर्निंग अधिकारियों का मतगणना संबंधी हुआ प्रशिक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उमावि झाबुआ में प्रशिक्षण में आरओ-एआरओ को पोस्टल बैलेट एवं ईवीएम वोटों की गणना कराने के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण का निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री तन्वी हुड्डा एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण श्रीमती रेखा राठौर द्वारा किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले की तीनों विधानसभा के रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि, निर्वाचन आयोग के मतगणना संबंध निर्देशों का विशेष ध्यान रखें। इसके अतिरिक्त मतगणना कक्ष में मतगणना के दौरान पोलिंग एजेंटो संबंधी निर्देश, डाक मतपत्रों की गणना, ईव्हीएम मशीन की वोटों की गणना एवं वीवीपेट पर्चियों की गणना के संबंध में विशेष निर्देश दिए। सीलिंग की कार्यवाही के संबंध में रिटर्निंग अधिकारियों से जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त पोस्टल बैलेट की गणना के दौरान रखी जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध मे आरओ एवं एआरओ से प्रश्न किए। कलेक्टर द्वारा सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतगणना की प्रक्रिया को गंभीरता से ले एवं किसी भी प्रकार की गलती की गुंजाइश ना रखे। मतगणना कक्ष में शांति एवं संयम से कार्य करे।

मतगणना प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी

माही की गूंज, झाबुआ। विधानसभा निर्वाचन 2023 अन्तर्गत मतगणना कार्य हेतु सहायक, दी न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड झाबुआ नाहर भूरिया, सहायक प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक पेटलावद योगेश झारिया एवं सहायक प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक पेटलावद हेमंत टाटावत को डाक मत पत्रों की गणना, जिला प्रबंधक, एम.पी. स्टेट सिविल सप्लाईज कोर्पोरेशन लिमिटेड झाबुआ विवेक रंगारी को ई.व्ही. एम. हेतु मतगणना सुपरवाईज़र एवं सहायक, दी न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड झाबुआ रमेश सवंत्सर, सहायक प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक मेघनगर पीयूष वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी, दी न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड झाबुआ मनीष कुमार वर्मा, वरिष्ठ सहायक, भारतीय स्टेट बैंक थांदला संजय मीना एवं प्रबंधक, दी न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड झाबुआ हिमांशु पाटीदार को ई.व्ही.एम. हेतु मतगणना एम.ओ. संबंधी अतिमहत्वपूर्ण कार्य के लिए शासकीय आदर्श महाविद्यालय झाबुआ÷ में 24 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं होने पर कारण बताओ सुचना पत्र जारी किया गया। मतगणना प्रशिक्षण में उपरोक्त कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जिससे ÷डाक मत पत्रों की गणना÷ एवं ÷ई.व्ही. एम. द्वारा मतगणना÷ से संबंधित दी जाने वाली महत्वपूर्ण जानकारियों से यह सभी कर्मचारी वंचित रहे, प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने से कर्मचारियों द्वारा निर्वाचन जैसे अति संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में घोर उदासीनता एवं लापरवाही बरती गई है, जिस कारण इनके विरुद्ध मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम) 1966 के नियम 10 के अन्तर्गत निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

कंग्रेस की रणनिती: मतगणना के लिए जिलों में भेजे प्रभारी, भोपाल में बैठेंगे दिग्गज

भोपाल।

तीन दिसंबर को होने वाली मतगणना के लिए कांग्रेस ने अपने सभी नेताओं को सतर्क कर दिया है। जिलों में मतगणना पर नजर रखने के लिए प्रभारी भेजे गए हैं। वहीं, भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में कंट्रोल बनाया गया है, जहां दिग्गज नेता सुबह से बैठेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, दिग्विजय सिंह, विवेक तन्खा, सुरेश पचौरी सहित अन्य नेता उम्मीदवारों से संपर्क में रहेंगे और जहां भी आवश्यकता होगी, वहां अधिकारियों से बात करेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे मतगणना को लेकर सतर्क रहें।

बहुमत के साथ बनाएंगे सरकार

कांग्रेस के पदाधिकारियों का दावा है कि कार्यकर्ता, उम्मीदवार और अन्य माध्यमों से सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं, उसके अनुसार पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। ऐसे में भाजपा गड़बड़ी के प्रयास कर सकती है, इसलिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सतर्क कर दिया है। प्रभारियों को जिले में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं तो वरिष्ठ नेताओं से कहा है कि वे उम्मीदवारों के संपर्क में रहें। उम्मीदवार भी संगठन पदाधिकारियों के साथ संवाद बनाकर रखें। कहीं भी कोई गड़बड़ी की आशंका हो तो प्रदेश कार्यालय को तत्काल सूचित करें ताकि आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

भोपाल में रहेगा कंट्रोल रूम

मतगणना पर नजर रखने के लिए भोपाल स्थिति प्रदेश कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, सुरेश पचौरी, विवेक तन्खा सहित अन्य वरिष्ठ नेता सुबह से उपस्थित रहेंगे। उम्मीदवारों से सीधे संपर्क में रहकर मतगणना की जानकारी ली जाएगी। परिणाम आने पर जो स्थिति बनेगी, उसको लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को पिछले चुनाव में मिली थीं 114 सीट

दरअसल, पिछले चुनाव में कांग्रेस को बहुमत से दो सीटें कम यानी 114 सीटें मिली थीं। बसपा, सपा और निर्दलीयों के समर्थन से कांग्रेस ने सरकार बनाई थी।मार्च में 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ने के कारण कमल नाथ सरकार गिर गई थी। पार्टी नेता सज्जन सिंह वर्मा का कहना है कि इस बार ऐसा कोई मौका किसी को नहीं मिलेगा, पूर्ण बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है फिर भी हम सतर्क हैं और मतगणना को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

जघन्य एवं सनसनीखेज अपराधों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री तन्वी हुड्डा की अध्यक्षता में 29 नवम्बर को जघन्य एवं सनसनीखेज अपराधों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जघन्य, सनसनीखेज, गंभीर अपराधों की तत्परतापूर्वक विवेचना की समीक्षा की गई। झाबुआ जिले के जघन्य एवं सनसनीखेज के जो प्रकरण चिन्हित किए गए है, उसके सम्पूर्ण विवरण की फाईल बैठक में प्रस्तुत की गई। कलेक्टर सुश्री हुड्डा ने जघन्य एवं सनसनीखेज गंभीर अपराधों की श्रेणी वाले प्रकरणों के आरोपियों एवं अपराधियों को किसी भी तरह की राहत ना दिए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में पुलिस अधीक्षक अगम जैन, अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा, संयुक्त कलेक्टर भूपेन्द्र रावत, जिला जेल अधीक्षक, जिला लोक अभियोजन अधिकारी एवं सहायक लोक अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने नारकोटिक्स के संबंध में बैठक ली

माही की गूंज, झाबुआ।

नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय हेतु बुधवार को कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन की बैठक ली गई।

बैठक में नशे के आदि व्यक्तियों को नशे की लत से छुटकारा दिलाए जाने के लिए जिले में नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र नहीं होने की स्थिति में जिले में कार्यरत एनजीओ से संपर्क कर ऐसे एनजीओ जो पुनर्वास केंद्र प्रारंभ किये जाने के इच्छुक है, उनकी बैठक कर पुनर्वास केन्द्र प्रारंभ करने एवं नशीली दवाइयों, पदार्थों के सेवन से शारीरिक बीमारियों-दुष्प्रभावों के संबंध में जिले में व्यापक रूप से जन-जागरुकता अभियान चलाए जाने के निर्देश दिये गए।

समस्त शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र-छात्राओं का समय-समय पर चिकित्सक के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा स्कूल, कॉलेज में अध्ययनरत छात्रों को नशे में संलिप्तता की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए छात्रों की नियमित काउंसलिंग कर शैक्षणिक संस्थाओं में नशा मुक्ति अभियान चलाए जाने को कहा गया।

कलेक्टर द्वारा कहा गया कि, नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत नशे के आदि व्यक्ति को चिन्हित कर उनके लिये विशेष शिविर का आयोजन किया जाए। जिसमे चिकित्सको के माध्यम से उनकी काउंसलिंग कर नशे से छुटकारा दिलाया जाए।

जिले में जिन-जिन स्थानों या शहर से बाहर स्थित आवासीय कॉलोनियों के आसपास कतिपय व्यक्तियों, नवयुवकों द्वारा नशीली दवाईयो का सेवन किए जाने की सूचना किसी भी माध्यम से प्राप्त होती है तो ऐसे स्थानों का भी चिन्हांकन करे एवं नशे की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिये पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा नगरपालिका, नगरपरिषदों, जिला चिकित्सालय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों द्वारा इंजेक्शन के माध्यम से नशीली दवाईयों का सेवन किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर चिकित्सकों द्वारा उनका शीघ्र ही स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने तथा नशे की लत से छुटकारा दिलाये जाने हेतु उनकी काउंसलिंग कराये जाने के निर्देश दिये गये।

सार्वजनिक स्थानों जैसे- बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मुख्य-मुख्य कार्यालयों, चिकित्सालयों में तम्बाकू का सेवन एवं धूम्रपान करते हुए पाए जाने पर नशामुक्ति अभियान अंतर्गत संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना लगाये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही ऐसे स्थानों पर नशे की रोकथाम एवं नियंत्रण तथा शारीरिक दुष्प्रभाव के पोस्टर एवं बैनर लगाये जाने की कार्यवाही हेतु उप संचालक, पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग झाबुआ, परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी झाबुआ. मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका, नगरपरिषद समस्त को निर्देश दिए गए।

जिला आबकारी विभाग को जिले की अंतर्राज्यीय सीमा पिटोल बॉर्डर (दाहोद-गुजरात) एवं अंर्तजिला रतलाम की सीमा पर स्थित ढाबो का आकस्मिक निरीक्षण कर अवैध शराब एवं अन्य नशीले पदार्थो का विक्रय पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।

मस्जिद के अंदर मासूम छात्रा से दुष्कर्म

हमीरपुर यूपी एंजेसी। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में बुधवार को मजिस्द के अंदर बंद कमरे में 11 साल की मासूम छात्रा के साथ दरिंदगी की गई। इस घटना से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। मासूम छात्रा का मेडिल परीक्षण कराया गया। कुरारा थाना क्षेत्र के एक गांव में मस्जिद के अंदर कमरे में बच्चों को पढ़ाया जाता है। गांव के मुस्लिम बच्चों को पढ़ाने के लिए यहां मौलवी शिक्षकों को मानदेय पर रखा गया है। बुधवार को गांव की एक मासूम भी पढ़ने मस्जिद गई थी, जहां मस्जिद के अंदर कमरे में उसे बंद कर मौलवी शिक्षक ने उसके साथ बलात्कार किया।

जैसे ही इस दरिंदगी की जानकारी लगी वैसे ही पूरे गांव व क्षेत्र में हड़कंप मच गया । परिजनों ने इस घटना की तहरीर थाने में दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित मासूम के परिजनो ने बताया कि, बच्ची पढ़ने मस्जिद गई थी, जहां मौलाना मुतजिर आलम ने बच्ची के साथ बंद कमरे में दरिंदगी की। मौलाना बिहार राज्य के पूर्णिया जिले के कोचगढ़ गांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी मौलाना को भी गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने बताया कि, गांव में समाज की रजामंदी से पांच साल पहले मौलाना शिक्षक को मस्जिद में बच्चों को पढ़ाने के लिए रखा गया था। मौलान को हर महीने तीस हजार रुपये की सैलरी मिलती है।

मौसम ने बिगाड़ा शादियों का मज़ा, गिरते पानी में दूल्हा-दुल्हन की निकली बारात

मौसम में घुली ठंड, सुबह कोहरे की चादर ओढ़े दिखता शहर, फसलें भी प्रभावित

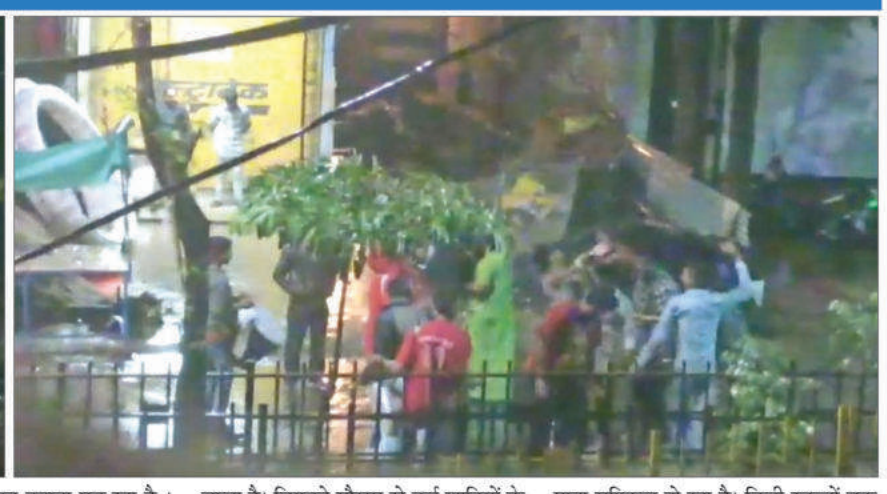

माही की गूंज, पेटलावद।

देवउठनी ग्यारस से जैसे ही शादियों के सीजन की शुरुआत हुई मौसम ने ऐसी करवट ली कि, शादियों का मज़ा किरकिरा हो गया। नगर में हर गार्डन ओर धर्मशाला में शादियों की शहनाई बज रही है उधर मौसम ऐसा बदला की बिना बरसात की सीजन में बरसात में शादियां हो रही ऐसा लगने लग गया।

रविवार को हुए मावठे की जबरजस्त बारिश ने शादियो के कार्यक्रमो में विघ्न डाला और शादियों के आयोजन वाटिका के कमरों तक सीमित हो गए। जो लोग घर से शादी के आयोजन कर रहे हैं उनको भारी परेशानी और नुकसान उठाना पड़ रहा है। बफेट भोजन ओर रसोई के लिये की गई तैयारियो को काफी नुकसान उठाना पड़ा। वही रात में निकाली जाने वाली वर निकासी और दुल्हनों के बनोले भी गिरते पानी मे निकाले देखे गए। फिलहाल 14 दिसम्बर तक लगातार शादियों की सीजन है और आने वाले कुछ और दिनों तक मौसम में सर्दी घुली रहेगी और बारिश का खतरा बना रहने वाला है। बिगड़ते मौसम से कई शादियों के कार्यक्रम का मजा खराब हो गया है और बारिश-ठंड के मौसम को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्था शादी वाले परिवारो को करनी पड़ रही है।

विगत चार से पांच दिनों से रह-रहकर हो रहे मावठे की बारिश के चलते मौसम ठंडा हो गया है और सुबह चारो ओर भारी कोहरा छाया रहता है जिससे दस मीटर तक भी देख पाना मुश्किल हो रहा है। निजी स्कूलों तक आने-जाने वाले वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और बच्चे भी कोहरे के बीच स्कूल वाहनों में सफर कर स्कूल पहुँच रहे हैं। मावठे की बारिश के कारण गेंहू-चने की फसल में पानी पिलाने की समस्या से निजाद मिली तो दूसरी ओर कपास और सब्जियों की फसलों को मावठे की बारिश से नुकसान भी हुआ है।

पिता को मुखाग्नि देकर बेटी ने निभाया बेटे का फर्ज

माही की गूंज, बामनिया।

बेटे का फर्ज निभाते हुए बेटी ने पिता की चिता को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की पूरी क्रिया की गई। बामनिया में एक बेटी ने रुढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए पिता की अर्थी को कंधा देकर पूरे विधि विधान के साथ अपने पिता के निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार किया। गौरतलब है कि, नगर में मेडिकल संचालक जितेश परमार की पत्नी सीमा परमार के पिता श्यामलाल परमार उज्जैन में निवासरत थे। 2021 में कोरोनाकाल में उनकी पत्नी चंदाबाई व पुत्र बबलू परमार का देहांत हो गया था। जिसके बाद बेटी सीमा व उनके पति जितेश परमार उन्हें अपने साथ ही रहने के लिए बामनिया लेकर आ गए। रविवार सुबह अचानक श्यामलाल परमार की ह्रदयघात से मौत हो गई। अंतिम संस्कार रविवार की शाम को बामनिया मुक्तिधाम पर किया गया। बेटी सीमा के साथ उनके पति जितेश व पुत्र मंथन परमार ने चिता को मुखाग्नि दी। पिता की अंतिम विदाई पर बेटी द्वारा मुखाग्नि दीये जाने पर मुक्तिधाम में उपस्थित लोग ओर परिवार जन भावुक दिखे।

तापमान में गिरावटः शैक्षणिक संस्थाओ में समय परिवर्तन

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर जिला झाबुआ के आदेशानुसार जिले में शीतकालीन मौसम प्रारंभ होने तथा तापमान में गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से जिले की कक्षा - नर्सरी से कक्षा-5 तक की समस्त शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई आदि समस्त प्रकार की शैक्षणिक संस्थाए प्रातः 9 बजे से पहले संचालित नहीं होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

पांच किलो गांजे के साथ पुलिस ने पकड़े दो आरोपी? एक फरार

आखिर कौंन है इस नशे के कारोबार की मुख्य जड़...? क्षेत्र में चल रही चर्चा

माही की गूंज, रायपुरिया।

विगत दिनों रायपुरिया थाने के ग्राम झकनावदा चौकी में पुलिस ने 5 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में एक अन्य का नाम उजागर हुआ पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया।

एसडीओपी सौरभ तोमर ने बताया कि, 23 नवम्बर को मुखबिर से प्राप्त सूचना पर झकनावदा चौकी की टीम ने दो व्यक्ति मधुकन्या नदी के पुल के ऊपर अवैध रूप से नवयुवकों को गांजा बेचने ले जाते हुए पकड़ा। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम दिपक पिता उदाजी चौधरी (32) निवासी इन्द्राकोलोनी झकनवाद व कमल पिता पूनमचंद मेघवाल (24) निवासी ग्राम इन्द्राकालोनी झकनावदा बताया। पुलिस ने आरोपियों के पास से पाँच किलो 318 ग्राम गांजा किमत दस हजार रूपये व एक मोटरसायकल बरामद की गई। पूछताछ में उक्त आरोपियो ने बताया कि, यह गाँजा उन्हें निर्मल पिता भेरूलाल माण्डोत निवासी झकनावदा के द्वारा दिया गया है। रायपुरिया पुलिस ने अपराध क्रमांक 737/2023 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अपराध पंजीबद्ध किया है। दोनों पकड़े गए आरोपियो को न्यायालय ने जेल भेज दिया। वही निर्मल पिता भेरूलाल माण्डोत फरार है।

चर्चाः आखिर नशे के कारोबार के पीछे कौंन...?

पूरे प्रकरण में जो नाम सामने आए हैं वो अब चर्चा का विषय बन गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले को निपटाने के लिये कई प्रयास होने की बात सामने आ रही है। आखिर कौंन थे वो लोग जो नशे के इस कारोबार को सरंक्षण देने का प्रयास कर रहे थे...? पुलिसिया कार्यवाही को भी देखा जाए तो इस मामले की जानकारी किसी को नही दी गई और लगभग 36 घन्टे बाद मामले का खुलासा किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 5 किलो गांजा होना बताया गया, जबकि चर्चा माल ज्यादा होने की होती रही। तीसरा आरोपी संभ्रातं समाज का है और इसके पीछे कई और नामो का खुलासा हो सकता है।

सीजन के पहले मावठा से गेहूं चने की फसल को फायदा

मटर, लहसुन ,प्याज ,टमाटर, धनिया की फसल को होगा नुकसान

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

क्षेत्र में शनिवार, रविवार, सोमवार को हुए मावठे की बारिश से गेहूं, चने ,कपास की फसलों के लिए यह बारिश वरदान साबित हुई है। ऐसे में किसानों के चेहरे भी खीले हुए हैं। लेकिन वहीं दूसरी तरफ एक सप्ताह में पक कर टूटने के लिए तैयार होने वाली मटर के लिए आफत की बारिश साबित हो रही है। इस बारिश ने मटर से होने वाली आई को प्रभावित कर दिया है। इसके अलावा लहसुन, प्याज, टमाटर ,धनिया, मिर्ची की फसल को भी कुछ हद तक नुकसान पहुंचा है। हालांकि किसानों ने कहा है कि, बारिश होने से गेहूं की खड़ी फसल की स्थिति अनुसार सत प्रतिशत फायदा हुआ है।

वहीं अब ठंड बढ़ने से फसलों की ग्रोथ भी अच्छी होगी , इस पानी से सर्वाधिक नुकसान मटर की वैल्यू कम होना है। जबकि खेतों में बोई हुई फसल अंकुरित होकर बाहर नहीं हो पाई है। इसके लिए मावठे की बारीष से लगातार पानी गिरने से मटर की फलियों में मिट्टी लगने और पानी से गीली होने से दाग लगेगा जिससे फलिया दागी होकर सडन पकडने लगेगी, इसका खामियाजा किसानों को मटर की फलिया तुड़वाने पर बाजार में कम दाम में विक्रय होगी। इस बारिश ने किसानों के आशिंक कार्य जरूर प्रभावित किए हैं। क्षेत्र में हुई बारिश से वाटर लेवल भी बड़ा है जिससे फसलों के पकने के अंतिम समय मे पानी के लिए परेशान नही होना पडेगा। 24 घंटे से अधिक समय बारिश से रवि फसलों में लगभग अगले एक पखवाडे तक सिंचाई की जरूरत नहीं होगी। हालांकि सारंगी क्षेत्र में माही नहर से भरपूर पानी मिल रहा है, कुल मिलाकर यह बारिश किसानों के लिए अमृत वर्षा के रूप में हुई बारिश होते ही फसलों से कई किसानों के चेहरों पर चमक दिख रही हैं।

ब्लैक फ्राइडे की सेल और वोट के खेल

धनिया पढ़ी-लिखी जान पड़ती है। असल में वह पढ़ी-लिखी है नहीं। जिन घरों में बर्तन धोने का काम करती है वहीं से कुछ-कुछ सीख गई है। बोली, 'अजी सुनते हो! ब्लैक फ्राइडे की सेल लगने वाली है। इस दिन सामान खरीदी सस्ती पड़ती है, रेखा दीदी कह रही थीं।' धनीराम खाना खाने की तैयारी कर रहा था। झोपड़ी के बाहर हाथ धोते हुए बोला, 'अरे छोड़ ये सब। बड़े-बड़े लोग, बड़ी-बड़ी बातें!'

'मैं अपने पैसों से जरूर कुछ खरीदूंगी। उमा बहन जी भी बोलीं कि कई सामान आधे दाम में मिल जाते हैं।' धनिया ने धनीराम के सामने थाली में चावल रखते हुए कहा। धनीराम ने चावल के ढेर का छोटा सा पहाड़ बना लिया और शीर्ष पर अंगुली से छेद बना दिया। फिर बोला, 'वोट पड़ते ही अपनी तो किस्मत ही ब्लैक हो गयी। फ्री की दारू बंद।' धनिया ने आवेश में चावल के पहाड़ के शीर्ष से पतली दाल का पानी उड़ेल दिया। पानी पिघले लावे की तरह थाली में फ़ैल गया और दाल के इने-गिने दाने चावल में बिखर गए।

'देख धनिया, तू वोट डाल आई है न। अब देखना, हमें कोई पूछने नहीं आएगा। अगले चुनाव तक हमारा हर दिन उंह डे ब्लैक ही रहने वाला है समझी।', खाना समाप्त करते हुए धनीराम ने समझाया। फिर थका-हारा एक ओर लुढ़क गया। लेकिन धनिया का मन नहीं माना। उसने रेखा दीदी को मिस्ड कॉल किया। उधर से फ़ौरन फोन आया, 'क्यों री धनिया, कल छुट्टी लगाने वाली है क्या?' धनिया तपाक से बोली, 'अरे न दीदी, मैं काए को छुट्टी लगाएगी। आप बता रही थी? ब्लैक फ्राइडे सेल के बारे में 3 इस दिन सामान सस्ता मिलता है .. है न दीदी। मैंने कुछ पैसे जोड़े हैं। आप खरीद देंगी मेरे लिए?' उस तरफ से सहमति भरा जवाब सुनकर धनिया खुश हो गई। फिर सोचते हुए सामग्री बोलती गई। वह जैसे-जैसे सामग्री बोलती जाती, एक निराशा का भाव उसके चेहरे पर बढ़ता जा रहा था।

रेखा दीदी उधर से बोल रही थीं, 'टीवी, फ्रिज, फर्नीचर, मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर जैसी वस्तुओं पर भारी छूट मिलती है, इन छोटी-मोटी खाने-पीने की चीजों पर नहीं मिलती।' उधर से फ़ोन कट गया। धनिया निराश हो गई। वोट डालने के बाद अंगुली में लगे काले दाग को मिटाने की कोशिश करने लगी। धनीराम उनींदे बड़बड़ाया, 'ऐ धन्नो, तू तो शुक्रवार के व्रत-उपवास में ध्यान लगा, बस। अब संतोषी माता ही हमारी भली करेंगी। जा सो जा।'

लेखक :- राकेश सोहम

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे विधानसभा के परिणाम

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 17 नवम्बर को हुए मतदान की मतगणना 3 दिसंबर को होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि, 3 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी।

मतगणना के राउन्ड वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रातः 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।

पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीद्वार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट ीजजचेरूध्ध्तमेनसजेण्मबपण्हवअण पद और वोटर हेल्पलाइन एप ;टभ्।द्ध पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा ीजजचेरूध्ध्बमवउंकीलंचतंकमेींण्द पबण्पद पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

मेला ग्राउंड की जमीन से प्रशासन हटायेगा अतिक्रमण, जेसीबी नही मिलने से लौटा प्रशासन

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

बामनिया में लगातार अतिक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं, प्रशासन की कार्यवाही से बेख़ौफ़ अतिक्रमणकर्ता पक्का निर्माण करते हुए मकान के मकान तान रहे है। भूमि को निजी बताकर निर्माण करते हैं और प्रशासन के पास शिकायत जाने के बाद मामले उजागर हो रहै है। ग्राम पंचायत बामनिया के मेला ग्राउंड स्थित शासकीय सर्वे नम्बर 110 पर कुछ लोगो ने अवैध रूप से अतिक्रमण किया ओर फिर दिन-रात काम करते हुए पक्का निर्माण कर भवन बना दिये। मामले की शिकायत के बाद अतिक्रमणकर्ताओ को नोटिस जारी किए गए और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। मंगलवार को राजस्व की टीम तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने को पहुँचे थे लेकिन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा जेसीबी की व्यवस्था नही कर पाने के कारण खाली हाथ वापस लौट गये। अतिक्रमणकर्ताओ ने मौके से अतिक्रमण स्वयं हटाने की बात कही है। ग्राम में अतिक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे है रतलाम रोड, अतिक्रमणकर्ता के निशाने पर है जहा एक बड़ा अतिक्रमण हटाया गया हैं। पुराने शासकीय अस्पताल के सामने तक बड़ी भारी गुमटी लगा कर जमीन अतिक्रमण कर ली गई जिसको तक हटाया नही जा सका जिससे लोगो को अतिक्रमण करने का बल मिल रहा है। मेला ग्राउंड के अतिक्रमण को लेकर तहसीलदार निगवाल ने बताया कि, जल्द ही अतिक्रमण प्रशासन द्वारा हटाया जाएगा।

तहसीलदार
तहसील पेटलावद

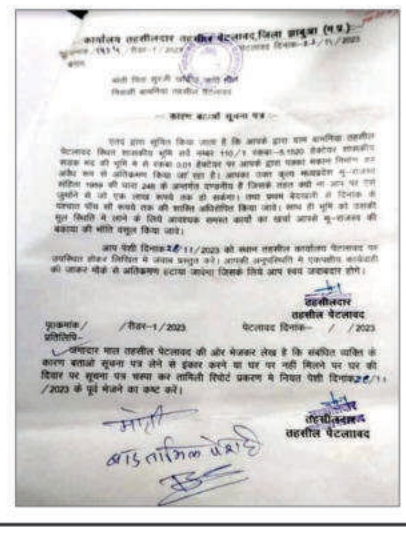

संपादकीय

अंधेरी सुरंग से फूटा जीवन का उजाला

उजाले के पर्व दिवाली के दिन जिन 41 परिवारों के आंगन में अंधेरे का साया मंडराया था, मंगलवार को उन घरों में असली दिवाली मानने का मौका आया। सारा देश उन श्रमिकों के सुरक्षित बाहर आने के लिये प्रार्थना कर रहा था, जो 12 नवंबर को ऑलवेदर रोड के लिए बनाई जा रही सिलक्यारा सुरंग धंसने से उसके अंदर

फंस गए थे। शायद भारत के इतिहास में पहला मौका होगा कि आम श्रमिकों को बचाने के लिए इतने बड़े पैमाने पर बचाव-राहत का अभियान चलाया गया। कदम-कदम पर बाधाएं आई। लेकिन केंद्र व उत्तराखंड सरकार की सजगता-सक्रियता आखिर रंग लाई और हादसे के सत्रहवें दिन 400 घंटे तक गुफा में फंसने के बाद सारे श्रमिक सकुशल बाहर निकले। इस बात की मुक्तकंठ से प्रशंसा करनी होगी कि कई केंद्रीय मंत्रालयों, बचाव कार्य में लगी राहत एजेंसियों, सेना, वायु सेना, बीआरओ तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञों ने एकजुट होकर इस अभियान में भाग लिया। भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि उसके लिए हर नागरिक की जिंदगी कीमती है, अब चाहे वह एक आम श्रमिक क्यों न हों। निश्चित रूप से इस अभियान ने उन करोड़ों श्रमिकों का मनोबल बढ़ाया है जो राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्राणपण से जुटे हैं। उनमें संदेश गया कि देश को उनके योगदान का भान है और उनकी चिंता पूरे देश को है। हमें उन श्रमिकों के मनोबल की प्रशंसा करनी होगी, जिन्होंने सत्रह दिन तक भयावह परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोया। इतने लंबे चले बचाव अभियान के दौरान कई लोग गहरे अवसाद में आ सकते थे। लेकिन फंसे श्रमिकों तक समय पर हवा, पानी, बिजली व भोजन भेजने की व्यवस्था ने उनका मनोबल बढ़ाया कि राष्ट्र उनके लिये फिक्रमंद है और उन्हें बचाने के गंभीर प्रयास निरंतर जारी हैं। निश्चित रूप से इन श्रमिकों के बचाव के लिये चलाया गया यह सफल अभियान इस बात का प्रमाण है कि विभिन्न सरकारों, मंत्रालयों व राहत-बचाव में लगी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से हर मुसीबत का सामना किया जा सकता है।

बहरहाल, सिलक्यारा सुरंग धंसने और उसके बाद चले बचाव अभियान में आई बाधाओं ने हमें तमाम सबक दिए हैं। यह भी कि ऐसी सुरंग बनाने से पहले भूस्खलन की आशंका और पहाड़ की क्षमता का वैज्ञानिक आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। साथ ही ऐसी सुरंगों के भीतर उनके धंसने की स्थिति में राहत-बचाव कार्य की वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। जिन मोटे पाइपों के जरिए, ऊपर से गिरे मलबे के बीच से गुजारकर, श्रमिकों को बाहर निकाला गया, उन्हें निर्माणधीन सुरंगों के साथ अनिवार्य रूप से लगाया जाना चाहिए। यदि ऐसा हादसा होता है तो किसी सुरंग के धंसने की स्थिति में बचाव का रास्ता बचा रहे। साथ ही नीति नियंताओं को ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया के सबसे युवा हिमालयी पहाड़ों पर बड़ी विकास योजनाओं का बोझ किसी सीमा तक डाला जाना चाहिए। केदारनाथ त्रासदी, हिमाचल में मानसून में आई तबाही, सिक्किम की हालिया प्राकृतिक आपदा और जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को ध्यान रखकर बड़ी विकास परियोजनाओं की दिशा-दशा तय की जानी चाहिए। साथ ही हमें ऐसी आपदाओं से बचाव में मानवीय प्रयासों को भी कमतर नहीं आंकना चाहिए। ऐसे समय में जब ऑपरेशन टनल अपने आखिरी दौर में पहुंच रहा था तो ऑगर मशीन के ब्लेड टूटने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन टीम में निराशा छा गई थी। फिर रैट माइनर्स ने अथक प्रयासों से निराशा को आशा में बदल दिया। आज देश में लाखों करोड़ रुपये की लागत से तमाम सुरंगें बनायी जा रही हैं। ऐसी तमाम विकट स्थितियां फिर पैदा न हों, इस दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि ग्लोबल, वार्मिंग के संकट के दौर में प्रकृति के मूल स्वरूप से खिलवाड़ कम से कम हो। निःसंदेह, विकास वक्त की जरूरत है, लेकिन प्रकृति से सामंजस्य बनाया जाना भी उतना ही जरूरी है।

हकीकत भी बनें उपज की कीमत बढ़ाने के चुनावी वादे

विश्व में सबसे पुराने नीलामी घरों में से एक है न्यूयार्क स्थित ऑक्शन हाउस सोदबी'ज़, जिसे अब पेंटिंग, कलाकृतियों व प्रतिष्ठापूर्ण आभूषणों के बजाय कृषि पदार्थों के मूल्यों की ओर रुख करने पर विचार करना चाहिये। अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सोदबी'ज़ कृषि पदार्थों की कीमतों पर भी नीलामी शुरू करने की सोच सकता है।

देविंदर शर्मा

यदि नीलामी घर कृषि उपज की ज्यादा ऊंची कीमतें प्राप्त करने का उद्यम शुरू करता है, वह भी ऐसे वक्त जब भारत में लोकतंत्र का उत्सव यानी चुनाव प्रक्रिया जारी हो तो वैश्विक स्तर पर सोदबी'ज़ एक लोकप्रिय नाम के तौर पर उभरकर सामने आयेगा। केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में किसान उस नीलामी पर पैनी नजर रखेगा।

दरअसल, बीते दिनों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्रों में किसानों के लिए किये वादों में अंतर मालूम करना मुश्किल हो रहा था, तो शायद सोदबी'ज़ किसानों को बेहतरीन कीमतें प्रदान करके कुछ और अच्छा कर सकती थी।

ज्यादा महत्वपूर्ण यह कि ऐसी किसी नीलामी के बाद जो अंतिम कीमत सामने आती है किसान को उस पर और ज्यादा यकीन होगा, इस उम्मीद के चलते कि नीलामी में भागीदारी कर रहे राजनीतिक दल अपने किये वादे से पीछे नहीं हटेंगे। चुनावी राज्य मध्यप्रदेश में सबसे पहले जारी किये गये कांग्रेस घोषणापत्र में गेहूं और धान के लिए ज्यादा ऊंची कीमतें प्रदान करने का वादा था।

धान के दाम प्रति क्विंटल 2,040 रुपये (पहले घोषित) के बजाय कांग्रेस ने 2,500 रुपये प्रति क्विंटल का आश्वासन दिया था। भाजपा का घोषणापत्र भी उसके सियासी प्रतिद्वंद्वी द्वारा किये वादे के बराबर या उससे बढ़कर बनाने की कोशिश की गयी। धान के मामले में, भाजपा ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किये। कांग्रेस ने भी बाद में इसके समान कर दिया। राजस्थान में कांग्रेस ने स्वामीनाथन के फार्मूले को लीगल गारंटी प्रदान करने का आश्वासन दिया था।

छत्तीसगढ़ में जहां पहले ही धान का खरीद मूल्य अधिक यानी प्रति क्विंटल 2,640 रुपये था, कांग्रेस पार्टी ने प्रति क्विंटल 3,200 रुपये का विश्वास दिलाया, इस आश्वासन के साथ कि प्रति एकड़ अंत के 20 क्विंटल इस दाम पर खरीदे जायेंगे। वहीं भाजपा के घोषणापत्र के मुताबिक, यदि पार्टी सत्ता में आती है तो वह धान का भाव 3,100 रुपये प्रति क्विंटल देगी और इस रेट पर वह प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदेगी। तेंदु पत्ता के संग्रह के लिए भाजपा ने 5,500 रुपये का प्रस्ताव दिया तो कांग्रेस ने सालाना 4000 रुपये बोनस के साथ 6000 रुपये की घोषणा की थी।

अब, ऐसा क्यों है कि वादों के प्रति गंभीरता नहीं बरती जाती है। बीते दिनों आपने जिससे भी बात की उसीने यह कहा कि ये तो केवल चुनावी हथकंडे हैं, और जैसे ही चुनाव परिणाम आएंगे तो ये सियासी पार्टियां अपने वादों से पल्ला झाड़ लेंगी और असल में वे इन कीमतों को नकारने के लिए कोई बहाना ढूंढ लेंगी। जाहिर है, यह एक चुनौती बन जाती है कि कैसे चुनाव जीतने वाले दल अंततः अपने वादे के मुताबिक काम करेंगे। यह भी कि यदि वे इस बार वादा पूरा करने में नाकाम रहे तो तो चुनावी वादे आगामी इलेक्शंस में अहमियत खो देंगे। ये मनोरंजन के अलावा कुछ भी नहीं रहेंगे।

यहां हम समझने का प्रयास करें कि क्यों संदेह जताये जा रहे हैं। दरअसल, दोनों ही राजनीतिक दलों ने उपज की इतनी कीमतें देने का चुनावी वादा किया जो डॉ. एम एस स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग की सिफारिशों से भी बहुत ज्यादा बैठती हैं। कॉम्प्रिहेंसिव लागत पर 50 फीसदी लाभ (सी2.50 प्रतिशत) की सिफारिश के मुकाबले दोनों ही पार्टियों द्वारा धान और गेहूं के घोषित मूल्य उससे बहुत ज्यादा यानी (सी262 प्रतिशत) बनते हैं।

यहां सवाल उठता है कि जबसे यानी अक्तूबर 2006 से स्वामीनाथन आयोग ने अपनी रिपोर्ट दी है, तबसे लेकर सत्ता में रही विभिन्न सरकारें इन कीमतों को लागू करने में हीला-हवाली करती रही हैं। यहां तक कि 2014 के राष्ट्रीय चुनावों में जब भाजपा ने किसानों को स्वामीनाथन कमेटी द्वारा सुझाए सी250 दाम देने का चुनावी वादा किया तो, सत्ता संभालने के तुरंत बाद सरकार ने यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया कि स्वामीनाथन फार्मूले के अनुरूप दाम प्रदान करना संभव नहीं क्योंकि यह मार्केट्स को विकृत कर देगा।

क्या अब दिये जाने वाले अधिक दाम 'मार्केट को नहीं बिगाडेंगे'? इन तमाम सालों में ऐसा क्या बदल गया कि अब राजनीतिक दल सोचने लगे हैं कि वे स्वामीनाथन द्वारा की गयी सिफारिशों से भी उच्च दाम दे सकते हैं? इसीलिए कि उपज की सी250 प्रतिशत से भी बढ़कर ऊंची कीमतें प्रदान करने का वादा गले नहीं उतर रहा है। अगर सी262 प्रतिशत कीमतें सही ही हों तो पार्टी बैनर से ऊपर उठकर सभी सियासी दलों का नेतृत्व समस्त देश में इसे एक समान कृषि कीमत बनाने के प्रयास क्यों नहीं करता है?

इसके अतिरिक्त, चूंकि एनडीए सरकार ने प्रांतों की सरकारों को निर्देश दिया था कि वे गेहूं और धान की खरीद के एमएसपी पर कोई बोनस न दें, यह कहते हुए कि यदि उन्होंने ऐसा किया तो केंद्र खरीद समर्थन वापस ले लेगा- तो क्या उच्चतर कीमत को खरीद कीमतों पर पर बोनस के रूप में नहीं देखा जाएगा? मुझे नहीं लगता कि हाल ही में इस पर कोई नीतिगत पुनर्विचार हुआ हो।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में उपज की अधिक ऊंची कीमतें घोषित करने की दौड़ कम से कम यह तो मालूम हुआ कि जिस दुःख-दर्द को कृषक समुदाय झेल रहा है उसे समझने में नेता वर्ग ज्यादा बेहतर रूप से सक्षम है। वे जानते हैं कि क्यों किसान तनाव में जी रहे हैं, और उन्हें संकट की स्थिति से निकालने के लिए क्या किये जाने की जरूरत है? यह मानते हुए कि जब देश में किसानों की औसत मासिक आय (कृषक परिवारों के ताजा सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे के मुताबिक) बमुश्किल 10,218 रुपये बैठती है, तो कृषि आमदन में वृद्धि करने की तुरंत जरूरत है।

पर जब वही राजनीतिक नेता सरकार गठित करते हैं तो हकीकत यह है कि उन पर मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों और नौकरशाहों द्वारा इतना दबाव बनाया जाता है कि किसानों की आय में बढ़ोतरी करने की कोई भी बात बाजारों को बिगाड़ने वाली नजर आने लगती है। हकीकत में, यह एक तरह से मानसिकता की गड़बड़ी ही कही जाएगी जिसने कृषि को जान-बूझकर वंचित बनाए रखा है।

क्या ये चुनावी वादे असल में लागू किये जाएंगे, यह तो सिर्फ समय ही बतायेगा? देखते हैं, तीन दिसंबर को परिणाम घोषित होने के बाद क्या होता है।

क्या मुसलमान उत्तरप्रदेश छोड़ देंगे...?

राकेश अचल

उत्तरप्रदेश भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। 24 करोड़ आबादी वाले इस सूबे में कोई चार करोड़ मुसलमान हैं लेकिन राज्य विधानसभा और लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा की और से इस बड़ी आबादी का कोई नुमाइंदा नहीं है। दूसरे दलों से जरूर कुछ विधायक और सांसद जरूर है। उत्तर प्रदेश की आबादी के लिए सूबे की सरकार एक के बाद एक नई मुश्किलें खड़ी कर रही है। सरकार की कोशिश है कि मुसलमान या तो उत्तर प्रदेश छोड़ दें या फिर हिन्दू बन जाएँ।

आप सोच रहे होंगे कि क्या बकवास है ये! ऐसे कैसे कोई मुसलमानों को उत्तर प्रदेश से बेदखल कर सकता है। बात तो सही है, कोई ऐसा चाहकर भी नहीं कर सकता है लेकिन किसी को ऐसी कोशिश करने से तो आप या हम रोक नहीं सकते। यूपी सरकार ने चीन की तर्ज पर पूरे राज्य में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाने की मुहीम छेड़ दी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर व ध्वनि विस्तारक यंत्रों की चेकिंग का अभियान सोमवार को चलाया गया। एसपी, एएसपी और सभी सीओ की मौजूदगी में चले अभियान के तहत लाउडस्पीकर व ध्वनि विस्तारक यंत्रों के मानकों को जांचा गया।

कहने को ये अभियान मंदिर और मस्जिदों के लिए एक समान है किन्तु इस आदेश का निशाना मस्जिदें ही हैं। यूपी सरकार का लाउडस्पीकर के खिलाफ ये एक्शन सुबह 5 से 7 बजे तक चलता है और शाम को भी कुछ समय के लिए चेकिंग की जाती है। 23 नवंबर से ये अभियान शुरू हो गया है और 22 दिसंबर तक चलेगा। सरकार की ओर से बयान जारी कर बताया गया है कि अब तक प्रदेशभर में 61,399 लाउडस्पीकर को चेक किया गया,इनमें से 7,288 लाउडस्पीकर की आवाज कम करवाकर मानक के अनुसार कराई गई। जबकि 3,238 लाउडस्पीकर को हटवा दिया गया।

उत्तर प्रदेश की सरकार ने इससे पहले मुसलमानों द्वारा उपभोक्ता सामग्री के लिए जारी किये जाने वाले हलाल प्रमाण-पत्र के खिलाफ अभियान चलाया। प्रमाणपत्र जारी करने वाली संस्थान के खिलाफ पुलिस में मामले दर्ज कराये और इस प्रमाणीकरण को प्रतिबंधित कर दिया। सूबे की सरकार कहने को सबकी सरकार है और सबका मिलकर विकास करती है, लेकिन हकीकत में सरकारी खजाने से बाहुसंख्यकों की खुशी के लिए अयोध्या में 24 लाख दीपक जलाकर कीर्तिमान रचा जाता है। फिर काशी में देव् दीपावली पर 12 लाख दीपक जलाने और लेजर शो करने की हिमाकत की जाती है। कोई संविधान, कोई क़ानून सरकार को इसके लिए नहीं रोकती। कोई राजनीतिक दल इसके खिलाफ खड़ा नहीं होता,क्योंकि मुद्दा वोट की राजनीति का है।

आपको ध्यान देना होगा कि भाजपा ने परोक्ष रूप से ही नहीं बल्कि खुलकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इस कार्रवाई में साथ दिया है। भाजपा ने पांच राज्यों के चुनाव में योगी का पूरा इस्तेमाल किया। यानि यदि पूरे देश में भाजपा की सरकारें बन गयीं तो हर सूबे में मुसलमानों की शामत आ सकती है। योगिराज में राजस्थान की तर्ज पर एक बस कंडक्टर का गला रेतने का जघन्य अपराध भी हो चुका है। ऐसे अपराध सरकार के लिए मुसलमानों के खिलाफ कार्रवाई का जरिया बन जाते हैं। मुसलमानों को चिढ़ाने के लिए मुजफ्फर नगर में एक शिक्षण संस्थान ने जानबूझकर छात्राओं से बुर्का पहनकर कैटवॉक कराया। इससे धार्मिक नेता भड़के भी लेकिन समझदारों ने बात बिगड़ने से बचा ली।

यूपी में पिछले कुछ साल से ही ये हो रहा है। पहले भी राज्य में भाजपा की सरकारें रहीं। कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री रहे किन्तु किसी ने योगी की तरह कट्टरता का मुजाहिरा नहीं किया। बहन मायावती और भाई अखलेश यादव के राज में भी ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के राज की बातें तो अब इतिहास हो चुकी हैं। भाजपा ने एक तरफ केंद्र में मुसलमान का हितैषी बनते हुए तीन तलाक क़ानून बनवाया, दूसरी तरफ भाजपा उत्तरप्रदेश में मुसलमानों को परेशान करने के लिए रोज नए बहाने भी खोज रही है। मुसलमानों के मदरसे तो बहुत पहले से भाजपा सरकार के निशाने पर यूपी में भी हैं और असम में भी।

यूपी के मुसलमान संख्या में इतने कम भी नहीं हैं की उन्हें यूपी से खदेड़ा जा सके। योगी राज में मुसलमानों के नेता और मुसलमानों में से ही माफियागिरी करने वालों का हिसाब प्राथमिकता के आधार पर किया जा चुका है। कुछ पुलिस की गोली से मारे जा चुके हैं कुछ को जेल भेजा चुका है। दूसरी तरफ हत्या के आरोपों में उम्रकैद सजा पा सके अमरमणि त्रिपाठी जैसे लोग सरकार की कृपा से बाहर भी आ गए हैं समझ में नहीं आ रहा की होने वाला क्या है। भाजपा सरकार ने राम जन्म भूमि विवाद सुलझने के बाद जितनी दिलचस्पी राम मंदिर बनाने में ली उतनी मस्जिद परिसर के विकास में नहीं ली। लगता है कि राज्य में सरकार किसी एक धर्म और एक समुदाय की है, न की सभी की।नया साल यूपी का नया चेहरा पेश करने वाला है।

तकनीक निर्माताओं को जवाबदेह बना घटेगा जोखिम

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीप-फेक को लेकर चिंता जताई थी, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके डीप-फेक बनाने को समस्यापूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने मीडिया से आह्वान किया कि वह लोगों को इससे संलग्न जोखिमों के बारे में शिक्षित करें।

शरद सत्य चौहान

हालिया वर्षों में, एआई तकनीक में हुई तेजी से तरक्की ने नागरिक कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में बेहतर मौके देने के साथ-साथ नई चुनौतियां भी पेश कर दी हैं। जहां एआई तकनीक विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर नये हल बताती है, वहीं इसने कुछ नए खतरे भी बना डाले हैं। इसमें डीप-फेक निर्माण और इसके जरिए सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने से जुड़े जोखिम की चुनौतियां भी शामिल हैं। एआई से चुनौती न केवल इससे जनित समस्याओं की है बल्कि इसका एक जन्मजात अवगुण यह है कि सैद्धांतिक तौर पर इनको नियंत्रित करना लगभग असंभव है। जो नियम-कायदे इसके लिए बने हैं, यह तकनीक उन्हीं को गच्चा देने की समर्था रखती है।

एआई का समावेश सामाजिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में करने से कानून एवं व्यवस्था लागू करवाने में नई-नई चुनौतियां दरपेश हैं। ऐसी एक चिंता है तकनीक के जरिए हेराफेरी कर किसी का चरित्र हनन। ऐसे कृत्यों में सबसे आगे है एआई से बनी डीप-फेक पोस्ट्स, जो हैरानकुन वास्तविकता वाली छद्म वीडियो और ऑडियो क्लिप बनाने में सक्षम है। ऐसे डीप-फेक उत्पादों से नागरिकों की सूचना की विश्वसनीयता और प्रशासन पर यकीन घटने का बहुत बड़ा खतरा बन गया है और साथ ही कानून लागू करवाने वाली एजेंसियों के लिए असली-नकली के बीच फर्क कर पाना बहुत मुश्किल हो चला है।

यूं तो सोशल मीडिया का एआई एल्गोरिदम प्रयोगकर्ता के उपयोग अनुभवों में इजाफा करता है, लेकिन इससे तथ्यों से छेड़छाड़, गलत सूचनाएं और सामाजिक रार पैदा करने का खतरा भी पैदा हो गया है। एआई द्वारा चालित बॉट्स और एल्गोरिदम से बैर करने वाली सामग्री से लोगों की सोच बदलने और समाज के विभिन्न तबकों के बीच ध्रुवीकरण बढ़ाया जा सकता है। लिहाजा ऑनलाइन खतरों के इस परिदृश्य से निपटने के लिए प्रतिरोधी नीतियों में निरंतर बदलाव करते रहना अनिवार्य बन गया है। भ्रामक सूचना फैलाने वाले अभियानों में, एआई चालित तकनीकें बहुत बड़े पैमाने पर दुष्प्रचार का निर्माण और प्रसार आसान बना रही हैं। जैसे-जैसे एआई तकनीक का एकीकरण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक व्यवस्था में हो रहा है, साइबर अटैक का जोखिम बढ़ रहा है, अतएव ऐसे अत्याधुनिक उपाय करने जरूरी हो जाते हैं, जो गतिशील एआई-चालित नीतियों के जरिए निरंतर प्रतिरोधात्मक उपाय कर सके।

एआई निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में जवाबदेही न होने से नागरिकों के भरोसे का ह्रास हो सकता है। इससे कानून-व्यवस्था लागू करवाने को यकीनी बनाने की खातिर किसी एआई मॉडल की मंशा को वक्त रहते समझ में आने योग्य समर्था पास होने की अहमियत को बल मिलता है। पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम से बनी चिंताएं, एआई मॉडल्स का अबाध इस्तेमाल और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक नागरिक निजता की स्वतंत्रता बरकरार रखने हेतु एक क्रियाशील तंत्र और नैतिकतापूर्ण एआई की स्थापना के महत्व को रेखांकित करती है।

वीडियो आधारित निगरानी में एआई का समावेश बेशक निगरानी व्यवस्था में क्षमता में इजाफा होता है लेकिन इससे नई चुनौतियां भी बन रही हैं, मसलन, फुटेज में छेड़छाड़। दृश्य-प्रमाणों की विश्वसनीयता बनाए रखने को सत्यापना एवं सुरक्षा रणनीति बनाना जरूरी है। अनुमान आधारित पुलिस तैनाती, एआई एल्गोरिदम के जरिए अपराधी के संभावित वारदात-स्थल का पूर्वानुमान लगाने संबंधित प्रणाली में एक

चुनौती यह भी है कि कहीं ऐसा न हो कि मौजूदा असमानता भरी प्रवृत्ति पक्षपाती एल्गोरिदम बनाने में भी कायम रहे। नागरिकों का कानून-व्यवस्था में भरोसा बनाए रखने के लिए पूर्वानुमान आधारित पुलिस तैनाती मॉडल का पक्षपात रहित रहना जरूरी है। एआई प्रणाली के अंदर एल्गोरिदम की जवाबदेही और पक्षपात रहित रहना एक चुनौती बना हुआ है, क्योंकि किन्हीं खास समूहों को निशाना बनाने और अन्यायपूर्ण शिनाख्त की संभावना है।

फिर निजता संबंधी चिंताएं, खासकर फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक से कानून व्यवस्था बनाए रखने में एआई का उपयोग और किसी व्यक्ति की निजता के बीच संतुलन कितना हो, इस पर सवाल पैदा हो रहा है। विचारपूर्ण चिंतन और क्रियान्वयन सावधानियां अनिवार्य हैं। एआई चालित निगरानी प्रणाली के व्यापक उपयोग से 'हरेक पर हर वक्त' नज़र रखने वाला निज़ाम बन जाने की भी चिंताएं पैदा हो रही हैं। नागरिक सुरक्षा और व्यक्तिगत निजता की आजादी के बीच संतुलन रखना, संभावित सामाजिक अराजकता से बचाने में महत्वपूर्ण होगा।

कानूनी फैसलों की प्रक्रिया में एआई का समावेश होने पर भी जवाबदेही, पारदर्शिता और ईमानदारी बाबत सवाल उठने लगे हैं। कानूनी फैसले लेने में दक्षता बढ़ाने को एआई को अधिमान और समानता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए चुनौती होगा। स्वतंत्र रूप से काम करने वाली प्रणालियां, जैसे कि एआई युक्त ड्रोन या वाहन, नागरिक सुरक्षा पर चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि दुष्ट प्रवृत्ति लोगों द्वारा इनको हैक करके दुरुपयोग की संभावना रहेगी।

एआई में यह संभावना भी है कि वह कानूनी नुक्तों का दोहन और दुरुपयोग करके खुद कानून को ही गुमराह करने वाले कानूनी कमजोरियों को पहचान ले, विशेषकर साइबर अपराध नियंत्रण और एआई नियमन में। क्योंकि एआई तकनीक आभासीय गणना और मॉडलिंग के जरिए कानूनी तंत्र में मौजूद कमजोरियों को ढूंढ़ने, खामियों और कमियों की सटीक शिनाख्त करके उन्हें उजागर करने की योग्यता रखती है। इसका स्वचालित कानून विश्लेषण, नैसर्गिक भाषा प्रसंस्करण और मशीन लर्निंग क्षमता कानून की किताबों की छानबीन करके कमजोर बिंदुओं की पहचान कर उनका दोहन किए जाने की संभावना और उन क्षेत्रों की बारीकी से पहचान कर सकती है, जहां कहीं कानून में अस्पष्टता हो। सुरक्षा की जांच करने में, एआई चालित तकनीकी उपाय साइबर अपराध और एआई नियमन से संबंधित डिजिटल व्यवस्था में व्याप्त कमज़ोरियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस तरीके से हमें संभावित खतरों की समझ बनाने और प्रभावशाली प्रतिरोधी उपाय विकसित करने में मदद मिलेगी। एडवरसैरियल एआई तकनीक से इस खोज कार्य में एक अतिरिक्त परत जुड़ जाती है, जहां पर अनुसंधानकर्ता ऐसे एआई मॉडल बनाने में लगे हैं जो मौजूदा सुरक्षा उपायों को गच्चा देने योग्य एआई की शिनाख्त कर सके।

आई कानून-व्यवस्था लागू करवाने के स्वरूपों का पूर्व-विश्लेषण करने में भी सहायक है। पिछले समय के कानून पालना डाटा का विश्लेषण करते हुए एआई व्यवस्था पालना करवाने में चलनों और खामियों की शिनाख्त कर लेती है, यह उन गतिविधियों की बारीकी से शिनाख्त कर सकती है, जो अन्यथा नज़रअंदाज रहती हैं। यह सूक्ष्म पहचान नीति निर्धारकों को चुनौतियों से निपटने में नियामक तंत्र को परिष्कृत एवं सुदृढ़ करने में मार्गदर्शन करती है। वर्ष 2018 में कार्यबल द्वारा दी रिपोर्ट पर काम करते हुए नीति आयोग ने फरवरी, 2021 मे 'जवाबदेह एआई सिद्धांत' दस्तावेज बनाने का प्रस्ताव किया था। वर्तमान में, सरकार एआई को डिजिटल अर्थव्यवस्था, विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति हेतु एक उत्प्रेरक की तरह लेती है और निजता संबंधी कानून, डाटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा एवं साइबर सुरक्षा के जरिए नियमन प्रणाली बनाने की योजना रखती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय एआई को डिजिटल इंडिया अभियान के अंग के तौर पर ले रहे हैं, तो सरकार ने कौशल उन्नयन, स्वास्थ्य, रक्षा, कृषि और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में विकासशील पहलकदमी की है।

भले ही एआई के वर्तमान फायदे संभावित खतरों पर भारी हैं, लेकिन भविष्य में दुरुपयोग और नियमन को चुनौतियों का खतरा भी है। जवाबदेह एआई व्यवस्था सुनिश्चित करने में, सतर्क बने रहकर और प्रति-सक्रिय होकर इन खतरों का निदान निकालना अहम है।

विधानसभा चुनाव में राजनीतिक चटखारों की गर्माहट उफान पर

माही की गूंज, मंदसौर।
साहिल अगवान

जिले की 4 विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद अब मौसम तो शरद है, लेकिन राजनीतिक चटखारों की गर्माहट उफान पर है। चुनाव लड़ प्रत्याशियों के मन में तूफान मचा है तो जन चर्चा में हर एक दूसरे से मिलने वालों के बीच यही सवाल है कि आपके गांव, शहर, वार्ड के क्या हालचाल है। मतदान कैसा रहा, किस के पक्ष में कितने मत पड़े और कौन जीत रहा है। इस तरह की जानकारी प्राप्त कर शुरू हो जाता है कयासों का दौर। जिसका कोई नहीं पकड़ पा रहा है छोर। एक ओर चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस व भाजपा प्रत्याशियों की दिल की धड़कने बढ़ रही है तो वे कार्यकर्ताओं से फीड बैक लेने के बाद अपनी जान-पहचानवालों, समर्थकों और गांवों के लोगों से मतदान के बाद के माहौल पर जानकारी प्राप्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। थका देने वाले चुनाव प्रचार के बाद कुछ घंटो सुस्ता कर थकान दूर करने के साथ ही देवोत्थानी एकादशी से खुले सावों में चल रहे विवाह-आदि समारोह में जा-जाकर हालचाल जानने का प्रयास कर रहे हैं। उम्मीदवार आश्वस्त होने का प्रयास करते हैं तो लोग जिनके पक्ष को मजबूत बताते है तो उन प्रत्याशियों के चहरे पर मुस्कान भी दिखाई देती है। लेकिन फिर भी कही न कहीं आशंका प्रकट होती है तो उनमें असहजता भी नजर आ रही है।

जिले की सभी 4 विधानसभा क्षेत्रो में रहे मतदान प्रतिशित को लेकर भी राजनीति के जानकार जीत हार का आंकलन कर रहे हैं। राजनीति के जानकारों की माने तो यहां कांग्रेस व भाजपा में मुकाबला बराबरी का माना जा रहा है। भाजपा व कांग्रेस के खाते कितनी कितनी सीटें आ रही पर जहां लोग कयास लगा रहे हैं तो राजनीति के जानकार हिसाब बराबर का बता रहे हैं। उम्मीदवार अपनी अपनी जीत के दावे प्रतिदावें कर रहे हैं तो विशलेषक हार जीत कोई लम्बी चौड़ी नहीं मान रहे हैं। इसलिए राजनीति के जानकार कहते हैं कि कम मार्जिन की हार जीत में कहां किसका पलड़ा भारी है कहा नहीं जा सकता। क्योंकि वोट प्रतिशत उम्मीद से ज्यादा हुआ है। इसलिए चुनाव परिणाम पर पहले भविष्यवाणी करने से राजनीति के जानकार भी कतरा रहे हैं।

हार-जीत पर लगाए जा रहे दावं

वैसे तो हार-जीत पर दावं लगाने का सट्टा बाजार कहते हैं तो यह वैधानिक भी नहीं है फिर भी राजनीति के जानकारों से सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा ही नहीं इसके आंकलन के आधार पर परिणाम तक पहुंच जाया करते हैं। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि इससे किसी भी परिणाम तक पहुंचा जा सकता है लेकिन फिर भी राजनीति में इसे भी एक आंकलन माना जा रहा है। जिले में कहीं भी कोई किसी भी किसी भी पार्टी के भाव नहीं दे इस का मतलब कही ना कही असमंजस की स्थती हर सीट पर नज़र आ रही हैं।

2018 में कांग्रेस के पास नही थी कोई सीट

जिले की 4 सीटो में से 3 सीट पर काटे का मुकाबला हुआ है। 3 सीट से एक सीट पर भी कांग्रेस झंडा गाड़ती है तो कांग्रेस पहले से प्लस में रहेगी वही मल्हारगढ़ में त्रिकोणी मुकाबला देखने को मिला यह कांग्रेस के बागी श्यामलाल जोकचंद निर्दलीय चुनाव लडे जबकि कांग्रेस से परशुराम सिसौदिया और भाजपा से मंत्री जगदीश देवड़ा मैदान में थे, यह से तस्वीर साफ है। मगर फिर भी तीनो प्रत्याशी अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों की बढ़ सकती है मुसीबत, दोनों को अयोग्य घोषित करने का मामला पहुंचा न्यायालय

मामला वोटिंग के दौरान फोटो वाइरल करने का

माही की गूंज, रतलाम।

एडवोकेट और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे विजय सिंह यादव ने विधानसभा चुनाव के मतदान होने के दस दिन बाद जिला न्यायालय में पिटिशन दायर कर भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार को आचार संहिता के उलंघन और चुनाव के दौरान प्रलोभन देकर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाया है, जिससे भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी की मुसीबत बढ़ सकती है। याचिकाकर्ता ने दोनो उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित करने की मांग करते हुए उक्त प्रकरण में निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर को भी आरोपी बनाया है। मंगलवार को जिला न्यायलय में श्रीमति ज्योति राठौर न्यायालय न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, रतलाम (म.प्र.) के समक्ष याचिकाकर्त्ता विजय सिंह यादव पिता राम सिंह यादव यादव संस्थापक एवं अध्यक्ष, भारतीय स्वर्णिम युग पार्टी ने चेतन्य काश्यप एवं अन्य साथीगण के विरुद्ध निजी परिवाद अंतर्गत धारा 200 सहपठित 156(3) धारा दंड प्रक्रिया संहिता प्रस्तुत किया हैं। याचिकाकर्ता ने 18 विंदुओ वाले आरोप पत्र में भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों पर मतदान के दौरान मतदान करते फोटो वायरल करने पर अचार संहिता का उलंघन बताया है। वहीं उन्होंने भाजपा के चुनावी नारे नया भारत नया रतलाम को भी कोर्ट में चुनौती दी है। इसी के साथ कांग्रेस उम्मीदवार पारस सकलेचा दादा को पूर्व में भी राष्ट्रपति द्वारा चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया जा चूका हैं। प्रतिप्रार्थीगणो के विरूद्ध सम्बंधित पुलिस अधिकारियों को 23.11.2023 को लेखी शिकायत आवेदन पत्र दिए गए थे, किन्तु आज दिनांक तक कोई संतोषजनक कार्यवाही नहीं हुई है और प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की गयी हैं। प्रतिप्रार्थीगण मुझ प्रार्थी के साथ कभी भी कोई गंभीर घटना घटित कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में प्रतिप्रार्थीगण के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाना अतिआवश्यक है। याचिकाकर्ता ने जिला प्रशासन को भी उक्त प्रकरण में आरोपी बनाते हुए कहा है कि, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अन्य का व्यवहार पूरी तरह से अभ्यर्थी चेतन काश्यप और पारस सकलेचा और उसके सत्तारूढ़ दल को चुनाव में लाभ पहुंचाने के लिए मतदाताओं को लुभाने और आकर्षित करने के लिए पक्षपाती रहा। जिसने यह स्पष्ट है कि, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अन्य द्वारा पक्षपातपूर्ण व्यवहार आदर्श आचरण संहिता के विरुद्ध कारित किया गया है, जिस कारणवश चुनाव स्वच्छ, पारदर्शी एवं निष्पक्ष न होने से निरस्त किये जाने योग्य है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अन्य ने चेतन काश्यप और पारस सकलेचा और उसके राजनीतिक दल को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए मनमाने नियम बनाए और उन्हें लागू किया। उन्होंने चेतन काश्यप और पारस सकलेचा को भ्रष्ट और दूषित आचरण का प्रयोग करके चुनाव जीतने में मदद करने का भी प्रयास किया गया है।

मतगणना के दौरान हर-पल कीमती रहेगा, एक भी क्षण बर्बाद नहीं होने दें- कलेक्टर

माही की गूंज, शाजापुर।

विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए 3 दिसम्बर 2023 को होने वाली मतगणना के लिए तैनात किये गये मतगणना कर्मियों के प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी किशोर कन्याल ने संबोधित करते हुए कहा कि, मतगणना के दौरान हर-पल कीमती रहेगा, एक भी क्षण बर्बाद नहीं होने दें। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अखिल राठौर, रिटर्निंग अधिकारी शाजापुर नरेन्द्र नाथ पाण्डे, कालापीपल सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरकेएस राठौर, मास्टर ट्रेनर डॉ. बीएस विभूति, डॉ. सुनील आडवानी, डॉ. वीपी मीणा, तहसीलदार सुनील पाटिल, श्रीमती मधु नायक, कैलाश सस्त्या, आलोक श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार आनंद जायसवाल, गौरव पोरवाल, सुश्री सोनम शर्मा, सुश्री किरण धाकड़, सुश्री नाहिद अंजुम भी उपस्थित थी।

कलेक्टर ने सर्वप्रथम डाक मतपत्र गणना के लिए नियुक्त कर्मियों के प्रशिक्षण में जाकर कहा कि, हर काम तेजी से और सावधानी के साथ करना है। कार्य के दौरान हर क्षण और हर-पल कीमती रहेगा। कोशिश यह होना चाहिये कि काम जल्दी से जल्दी समाप्त हो। इसी तरह ईव्हीएम गणना के लिए नियुक्त कर्मियों के प्रशिक्षण में कलेक्टर ने कहा कि गणना की रिहर्सल अच्छे से कर लें। कौन-कौन से बिन्दुओं पर विशेष सावधानी बरतना है, इसकी जानकारी पहले से रखें। सभी मतगणना कर्मी टीम की तरह काम करें।

कलेक्टर ने कलाकार अरविंद का किया अभिनंदन

माही की गूंज, शाजापुर। जिले की गोलाना तहसील के ग्राम कौशलपुर निवासी अरविंद मेवाड़ा ने कलां के क्षेत्र में अपने हुनर से जिले का नाम रोशन किया है। अरविंद ने हाल ही में लोहे की 7 हजार कीलों से अक्षय कुमार की अनूठी तस्वीर बनाई है, जो कि इंटरनेशनल वंडर ऑफ बुक में दर्ज हुई है। इसके अलावा अरविन्द ने कई बेहतर चित्रकारी कर कलां के क्षेत्र में नाम कमाया हैं। 7 हजार लोहे की कील से 3 महीने में 7.5 वर्ग फुट की शीट पर उकेर दी अभिनेता अक्षय कुमार की तस्वीर। गत दिवस अरविंद की चित्रकारी की खबर समाचार पत्र में छपने के बाद शाजापुर जिले के कलेक्टर किशोर कन्याल ने अरविन्द को बुलाकर अरविन्द की बनाई तस्वीर को देखा। उसके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि, गौरव की बात है कि अरविन्द जैसा कलाकार शाजापुर में है, जिसने जिले का नाम रोशन किया है। गांव के इस युवा की कलां, जिले के लिए ही नहीं प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

दिन में पिता के साथ खेती में हाथ बंटाया, रात-रातभर जागकर कलां को निखारा

अरविन्द ने बताया कि पहले वह गुजरात में निजी कंपनी में नौकरी करता था, जहाँ उसके पास कलां के लिए समय नही बच रहा था, इसे देखते हुए उसने नौकरी छोड़कर वापस कलां के क्षेत्र में समय देना शुरू कर दिया। दिन में पिता श्री सवाई सिंह मेवाड़ा का काम में हाथ बंटाया और रात में जाग कर कलां को निखारने के लिए मशक्कत करता रहा। उसने बताया कि अब मेरी कलां को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने लगा है, जिससे में तो खुश हूं ही, मेरे परिजनों के चेहरे पर भी मुस्कान है।

लोक भारती संगठन की बैठक में समाज हित में काम करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने का किया आह्वान

माही की गूंज, शुजालपुर।

प्रकृति व संस्कृति को लेकर कार्य करने वाले संगठन लोक भारती की शाजापुर व राजगढ़ जिले की मिश्रित बैठक गांधी उद्यान शुजालपुर में संपन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से केंद्रीय पदाधिकारी अशोक त्रिपाठी, प्रदेश पदाधिकारी रजनीश भमुरिया एडवोकेट, पतंजलि की प्रदेश पदाधिकारी डॉक्टर महेंद्र परमार, भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी कन्हैया लाल पडियार, योग गुरु जयप्रकाश परमार,योग शिक्षक राजेंद्र शर्मा, इंदर सिंह परमार, जुझार सिंह सहित दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक मंगल गान के साथ प्रारंभ होकर केंद्रीय पदाधिकारी त्रिपाठी ने आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक नगरीय केंद्र पर संगठन की कार्यकारिणी बनाने तथा समाज हित में काम करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने का आह्वान करते हुए प्रकृति के ऋण से मुक्त होकर ऋण होने का मार्ग प्रशस्त किया।

जुझार सिंह तथा इंदरसिंह परमार का किया सम्मान

बैठक में कुरावर, सारंगपुर, कलापीपाल,राजगढ़, तलेन,अवंतीपुर बडोदिया, पोलायकला, शुजालपुर सहित 19 नगरीय केंद्र से कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के पश्चात उन्नत कृषक के रूप में तथा लोकहित में कार्य करने वाले बेदारनगर के जुझार सिंह परमार तथा इंदरसिंह परमार का सम्मान लोकभारती के प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया गया। बैठक में मुख्य रूप से लक्ष्मी नारायण राठौर पत्रकार, रविंद्र श्रीवास्तव पत्रकार, संतोष प्रजापति, महेंद्र जैन शुजालपुर, अजय राज केवट माही, नरेंद्र सक्सेना, योगेश पाटीदार, राजेश शर्मा सत्यम ,हरिसिंह केसवाल, बीरम चौहान, नरेंद्र सिंह मकवाना, दिनेश मंडलोई, विनोद खन्ना, राधे पंडित, प्रवीण विश्वकर्मा, दीपक केवट सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर शिवना नदी में किया दीपदान, नदी में गंदगी से श्रद्धालु हुए परेशान

माही की गूंज, मंदसौर।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिवना के तट टाटिया प्रवाहित कर दीपदान किया और अष्टमुखी महादेव पशुपतिनाथ के दर्शन किए। शिवना के घाटों पर सुबह से ही बड़ी संख्या के श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से परिवार से साथ आई महिलाओं ने टाटियों पर दीप जलाकर उन्हें शिवना नदी में प्रवाहित किया। वहीं परिजनों के साथ आए बच्चों ने आधे अधूरे मेले आनंद भी लिया।

मान्यता है कि, पूरे कार्तिक महीने का व्रत करके कुंवारी युवतियां यदि पूर्णिमा के दिन नदी किनारे स्थित शिव मंदिर पर दीप दान करती हैं तो उनको भगवान शंकर जैसा वर मिलता है। वहीं महिलाएं अपने परिवार कि सुख समृद्धि के लिए पूरे कार्तिक माह में व्रत रखकर उपासना करती हैं। सोमवार को शिवना के तट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु टाटिया प्रवाहित करने पहुंचे।

लेकिन हर बार नगर पालिका इससे पहले ही नदी और उसके घाटों की साफ सफाई एक को शुद्ध करने के लिए फव्वारे लगाती है लेकिन इस बार अचार संहिता का हवाला देकर नगर पालिका ने कोई व्यवस्था नहीं हुई, इसका असर यह रहा कि श्रद्धालु नदी में डुबकी लगाना तो दूर नदी के पानी से आचमन करने से भी कतराते नजर आए।

नगर पालिका की आमजन के लिए इससे बड़ी लापरवाही क्या होगी की श्रद्धालुओं के लिए ना शिवना शुद्ध है ना बच्चो के लिए मेला सज पाया है। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दीपदान करने और मेला घूमने पहुंचते हैं। इस दिन मेले में आए व्यापारियों की भी अच्छी खासी कमाई होती है लेकिन इस बार नगर पालिका कार्तिक पूर्णिमा के दिन तक मेला ग्राउंड में प्लाट का आवंटन ही नहीं कर पाई नतीजा मेला सज नहीं पाया।

5 सीटों पर होगी मतगणना, 95 वें राउंड के बाद घोषित होंगे विजेता

माही की गूंज, रतलाम।

जिले की सभी 5 विधानसभा सीटों की मतगणना 3 दिसंबर को सुबह से शुरू हो जाएगी और इसके लिए 84 गणना टेबल लगेंगी। पांचो सीटों के लिए 95 राउंड में जाकर मतों की गिनती पूरी होगी। जिले का सबसे पहला परिणाम रतलाम ग्रामीण सीट का आएगा। यहां सबसे कम 18 राउंड मे वोटों की गिनती पूरी होगी और सबसे ज्यादा समय जिले की जावरा विधानसभा सीट की मतगणना में लगने वाला है। मतगणना शासकीय कला और विज्ञान महाविद्यालय के कक्षों मे होगी। इस सीट की गिनती 20 राउंड मे पूरी होगी। रतलाम शहर, सैलाना और आलोट विधानसभा के मतों की गिनती 19 राउंड में पूरी होगी। डाक मत पत्र के परिणाम सबसे पहले आएंगे। इसके लिए रतलाम ग्रामीण विधानसभा सीट के लिए एक टेबल लगेगी। जबकि, रतलाम शहर सीट के डाक मतपत्र गिनने के लिए चार टेबल लगेगी। सैलाना और आलोट क्षेत्र के डाक मतपत्र की गणना के लिए 2-2 टेबल लगेगी। लेकिन, जावरा सीट के डाक मतपत्र तीन टेबल लगाकर गिने जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने प्रत्येक गणना टेबल पर एक गणना पर्यवेक्षक, एक गणना सहायक और एक सूक्ष्म प्रेक्षक की नियुक्ति की है। जबकि, डाक मतपत्र की गणना के लिए सहायक रिटर्निंग अधिकारी की उपस्थिति अनिर्वाय की गई है। निर्वाचन आयोग के साथ प्रत्येक टेबल पर उम्मीदवार की और से नियुक्त एजेंट भी मौजूद रहेगा। इसी के साथ आरओ टेबल पर उम्मीदवार या उसका एजेंट मौजूद रहेगा।

मतगणना के लिए प्रशिक्षण के साथ पारदर्शिता बरती जा रही है। सम्पूर्ण परिसर सीसीटीवी केमरों की निगरानी मे भी रहेगा। यहां यह ज्ञातव्य है की इस बार निर्वाचन में जिले मे ओसत 85 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान प्रतिशत के लिए जिले की अनुसूचित जनजाति आरक्षित सैलाना सीट प्रदेश मे पहले स्थान पर रही थी। यहां 90 फीसदी से ज्यादा मत गिरे थे।

जिले की रतलाम ग्रामीण और सैलाना सीट दोनो अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों पर मतदान के प्रति जबर्दस्त उत्साह रहा था। स्थिति यह थी की मतदान के अंतिम समय शाम छह बजे के बाद भी 19 केंद्रों पर 1759 मतदाताओं ने देर तक रूककर वोट डाले थे। रतलाम ग्रामीण सीट पर 86.25, रतलाम शहर सीट पर 73.55, सैलाना सीट पर 89.50, जावरा सीट पर 85.48 तथा आलोट सीट पर 83,62 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था।

वहीं, बीते वर्ष 2018 के निर्वाचन में जिले में 81.91 फीसदी मतदान हुआ था। इसमें जिले की रतलाम ग्रामीण सीट पर 83.77, रतलाम शहर सीट पर 71.78, सैलाना सीट पर 85.27, जावरा सीट पर 82.28 तथा आलोट सीट पर 80.88 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके पहले साल 2013 में भी रतलाम ग्रामीण अनुसूचित जनजाति सीट पर 79.32 रतलाम शहर सीट पर 68.32 एवं सैलाना अनुसूचित जनजाति सीट पर 77.97, जावरा सीट पर 79.06 तथा आलोट सीट पर 78.94 प्रतिशत मतदान हुआ था। लगातार तीसरी बार के निर्वाचन में मतदान प्रतिशत मे वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2013 में भाजपा ने जिलें की पांचों सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद साल 2018 में जिले की 3 सीट भाजपा ने और 2 सीट कांग्रेस ने जीती थी। जिले की पांचों सीटों पर 40 प्रत्याशी थे। जिले की रतलाम शहर को छोड़कर बाकी सभी सीटों पर निर्दलीय और जयस ने मुकाबलों को संघर्ष के मोड़ पर खड़ा कर दिया है। इससे गणना कक्षों मे बड़ी गहमा-गहमी रहने की उम्मीद लगाई जा रही है।

सिर दर्द से परेशान महिला के शरीर में बताया डायन का वास, इलाज के नाम पर मार दी तलवार

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के सुदूर आदिवासी अंचल से एक महिला को गांव के ही एक तांत्रिक ने इलाज के नाम पर तलवार के कई वार कर गंभीर घायल कर दिया। उसे बड़वानी के जिला अस्पताल पहुंचाया गया। तो वहीं पुलिस ने आरोपी तांत्रिक और उसके साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

बता दें कि, महिला सिर दर्द से पीड़ित थी। उसके सिर दर्द का इलाज करने के नाम पर उसी के गांव के एक तांत्रिक ने काला जादू जैसी तांत्रिक क्रिया का सहारा लिया और उसके शरीर में डायन बताकर उस डायन को मारने के नाम पर महिला के शरीर पर तलवार से कई वार कर दिए। जानकारी के अनुसार मामला बड़वानी और धार जिले की सीमा के करीब के क्षेत्र डही के बड़वानिया गांव का है। गांव में रहने वाली महिला संगीता पति कपिल (30) लगातार सिर में दर्द के चलते परेशान थी, उसने इसका कई बार इलाज करवाया मगर उसे आराम नही लगा और लगातार उसकी तकलीफ बढ़ती रही। जिसके बाद तांत्रिक अनिल ने महिला के शरीर में डायन का वास

बताकर काले जादू के जरिए उसे दूर करने की बात कही। महिला ने भी उस ढोंगी तांत्रिक बाबा की बात को मानकर उससे अपना इलाज करना शुरू कर दिया।

भरोसा दिलाया कि चोट डायन को लगेगी

तांत्रिक ने महिला को भरोसा दिलाया कि वह उसके शरीर में बसी डायन को तलवार से वार करके मार डालेगा, और महिला को चोट नहीं आएगी और केवल डायन को ही लगेगी। इसी बीच तांत्रिक अनिल ने काला जादू की कुछ विधि करते हुए और मंत्र पढ़ते हुए महिला के शरीर पर तलवार से कई वार कर दिए। जिससे महिला घायल हो गई और गंभीर चोटें आने के चलते महिला की हालत बिगड़ गई। इसके बाद महिला को बड़वानी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार और एमएलसी करवाने के बाद उसे पास ही के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया, जहां फिलहाल महिला का इलाज जारी है।

किसी को बताया तो जान से मार दूंगा

इस घटना को लेकर फरियादी महिला संगीता ने बताया कि आरोपी तांत्रिक अनिल ने मंत्र पढ़कर उसके शरीर पर तलवार रखकर उसे काटने लगा। जिससे संगीता के उल्टे हाथ की कलाई, उल्टे पैर के घुटने के पास, उल्टे हाथ की हथेली में, दोनों हाथ के कंधे पर, पीठ की चमड़ी कटकर चोट लगी। इतना ही नहीं आरोपी तांत्रिक ने घटना की बात किसी को बताने पर संगीता को जान से मारने की धमकी तक दे डाली। हालांकि महिला के परिजनों ने इस पूरे मामले को लेकर पुलिस में शिकायत भी कर दी है जिसके बाद पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर आरोपी तांत्रिक अनिल सहित उसके साथियों के खिलाफ धारा 294, 323, 324, 506 व 34 भादवि के तहत केस दर्ज कर लिया है।

कुछ देर में लौटने को कह कर घर से निकले युवक की सड़क हादसे में मौत

माही की गूंज, खरगोन।

बड़वाह के महेश्वर रोड़ कृषि उपज मण्डी के समीप सड़क दुर्घटना में चुन्नू उर्फ़ दीपक यादव की मौत हो गई। गणगौर घाट निवासी दीपक पिता राजू यादव (21) शाम को निजी काम के लिए जयमलपूरा गया हुआ था। वापस घर लौटते समय ट्रैक्टर एवं बाइक की भिडंत में चुन्नू की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जयमलपूरा की ओर से एक ट्रैक्टर बड़वाह की ओर जा रहा था, वहीं पीछे युवक अपनी बाइक से चल रहा था। तभी अचानक बाइक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से घुस गई। जिससे मौके पर ही अधिक खून सड़क पर बहने के कारण युवक ने दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद लोगों द्वरा उसे बड़वाह के शासकीय अस्पताल लाया गया। सूचना मिलते ही अस्पताल में भीड़ एकत्रित हो गई।

एसडीओपी अर्चना रावत एवं पुलिसकर्मी भी अस्पताल पहुंचे। मृतक के पिता राजू यादव ने बताया कि सुबह से खण्डवा न्यायालय में पेसी पर गया हुआ था। शाम को वापस घर लौटा और मात्र पांच मिनिट रुक कर यह बोल कर निकला था कि कुछ काम है आ रहा हूं,उसके बाद खाना खाउगा। लेकिन करीब कुछ घंटे बाद यह जानकारी मिल गई।युवक फुल माला का व्यापार करता है।

किसान विकल्प में नैनो यूरिया एवं एनपीके कांपलेक्स का उपयोग करें

माही की गूंज, बड़वानी।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को यूरिया के विकल्प में नैनो यूरिया एवं डीएपी की जगह एनपीके काम्पलेक्स का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। बड़वानी जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है।

यूरिया विकल्प के रूप में नैनो यूरिया

भारत आत्मनिर्भर कृषि के संकल्प को साकार करते हुए किसान हित में सहकारी संस्था इफको ने किसानों को नैनो यूरिया एवं डीएपी की सौगात दी है। जो विपणन संघ नगद विक्रय केन्द्रों के अलावा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति- बड़वानी, अंजड़, बोरलाय, तलवाड़ा बु., मण्डवाड़ा, तलवाड़ा डेब, ब्राह्मणगांव, दवाना, दोंदवाड़ा, खेतिया, लिम्बी, मोयदा, निवाली, ओझर, पानसेमल, पाटी, राखीखुर्द, रणगांव डेब, उपला, भागसुर, नागलवाड़ी, अगलगांव, बरूफाटक, बाबदड़, बोकराटा, दानोद, चाचरिया पाटी, जुलवानिया, मेणीमाता, पलसुद, सेंधवा, सिलावद, थान, वरला, एमपी एग्रो, इफको बाजार दवाना के साथ जिले के निजी विक्रेताओं के यहां लगभग 11552 बॉटल (प्रति बॉटल आधा लीटर) उपलब्ध है, जो प्रति बॉटल यूरिया के 1 बेग के बराबर है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगों के लिए विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ एसडीएम एसआर यादव के मुख्य आतिथ्य, तहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर के विशेष आतिथ्य तथा बीईओ विनोद कुमार कोरी की अध्यक्षता में नेत्रहीन पुनर्वास केन्द्र चंद्रशेखर आजाद नगर प्रांगण में किया गया। दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विकासखंड की शालाओं से आएं दिव्यांग छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुवे एसडीएम यादव ने कहा कि, सभी विद्यार्थी व शिक्षक के बधाई के पात्र हैं जिन्होंने आज इस आयोजन में विभिन्न प्रतियोगिता में सहभागिता की हैं। सभी दिव्यांग विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग व सुविधा प्रशासन की ओर से हमेशा उपलब्ध कराई जायेगी।

तहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि, आज के दिव्यांग बच्चों के आयोजन में आना हमारा सौभाग्य हैं। हम सभी को चाहिए इन विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें व इनका सदैव मार्गदर्शन करे। आयोजन के बारे में बीईओ विनोद कुमार कोरी व बीआरसी राजेन्द्र बैरागी ने भी अपने विचार रखे।

आयोजन में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये प्रतियोगिताओ के तहत् खेल, चित्रकला, ब्रेल लेखन, मेहन्दी, चेअर रेस, नींबू रेस, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का अवलोकन एसडीएम एसआर यादव, तहसीलदार, जितेन्द्र सिंह तोमर द्वारा किया जाकर मौके पर बच्चों को पुरस्कार व चाकलेट का वितरण किया। इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ मंडल संयोजक दिनेश बड़गोत्या, बीएसी अभिषेक डावर, मगनसिंह डावर, वजिया बघेल, दयाराम मौरी, बीईओ, बीआरसी व शासकीय विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हेमेंद्र गुप्ता द्वारा किया गया। आभार एमआरसी हरिश द्वारा किया गया।

पोस्टल बैलेट मामले में चुनाव आयोग एसडीएम को किया सस्पेंड

बालाघाट।

जिले में पोस्टल बैलेट में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने कदम उठाया है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने बताया कि, बालाघाट अनुविभागीय दंडाधिकारी गोपाल सोनी को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, बालाघाट एसडीएम और बालाघाट विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी गोपाल सोनी को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही बालाघाट डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक को बालाघाट एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

इस निलंबन को लेकर कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने एक्स पर कहा कि, इस मामले में पूर्व में नोडल अधिकारी भी निलंबित हो चुके हैं। यदि कांग्रेस इस मामले को लेकर 'कंफ्यूज्ड' थी तो इतने लोगों का निलंबन क्यों हो रहा है। बता दें

कि, बालाघाट जिले से जुड़ा एक वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें कुछ कर्मचारी मतपत्रों को रखते नजर आ रहे थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि कर्मचारी पोस्टल बैलेट पत्रों की गिनती कर रहे थे।

वहीं प्रशासन का तर्क था कि बैलेट पत्रों को व्यवस्थित तरीके से रखा जा रहा था। इस मामले में एक नोडल अधिकारी का निलंबन भी हो चुका है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायती पत्र भी सौंपा था। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह और उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल के साथ राजधानी भोपाल स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर इस संबंध में एक शिकायती पत्र सौंपा था।

कांग्रेस का आरोप था कि, बालाघाट कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा पोस्टल वोट में कथित तौर पर गड़बड़ी की है। उन्होंने कलेक्टर समेत उक्त कार्य में शामिल सभी कर्मचारियों को निलंबित किए जाने की मांग की थी। पत्र में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि बालाघाट से कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा एक वीडियो भेजकर शिकायत प्रेषित की गई है, जिसमें कलेक्टर बालाघाट एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा पोस्टल वोट में कथित गड़बड़ी किया जाना सामने आया है।

उक्त घटना का वीडियो भी निर्वाचन आयोग को सौंपा गया है। कांग्रेस ने इस मामले की राष्ट्रीय चुनाव आयोग से भी शिकायत की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी और सलमान खुर्शीद समेत पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल कल दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय पहुंचा था। इस मामले की शिकायत की। कांग्रेस का आरोप है कि बालाघाट में पोस्टल बैलेट के साथ छेड़छाड़ की गई है। कांग्रेस ने आयोग से इस संबंध में कार्रवाई करने की मांग की है।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

विधानसभा चुनाव-2023 के अंतर्गत 17 नवंबर को मतदान कराया गया है और मतदान के उपरांत ईव्हीएम को पीजी कॉलेज खरगोन के स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 29 नवंबर को पीजी कॉलेज के स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थओं का देखा। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों द्वारा तैनात प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

पीजी कॉलेज खरगोन में बनाएं गए स्ट्रांग रूम में जिले के सभी छः विधानसभा क्षेत्रों के 1541 मतदान केन्द्रों की ईव्हीएम तीन स्तर की कड़ी सुरक्षा में रखी गई है। पूरे स्ट्रांग रूम पर सीसी टीव्ही कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों द्वारा एलईडी स्क्रीन पर स्ट्रांग रूम की गतिविधियों को देखा जा रहा है। पीजी कॉलेज में बगैर परिचय पत्र के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

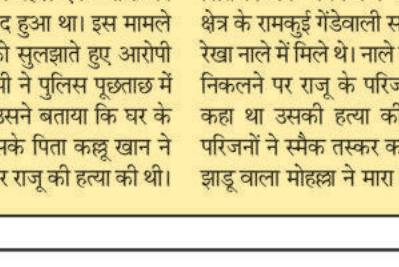

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की अनुठी पहल से परिवार में दूर हुए गिले शिकवे

माही की गूंज, बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देशानुसार तथा बड़वानी कोतवाली टीआय बलदेव सिंह मुजाल्दे के प्रयास से बिछड़े परिवारों को मिलाने के साथ-साथ पीड़ित महिलाओं, बालिकाओं की मदद की जा रही है। इसी के तहत बड़वानी के समीप ग्राम कुंडिया निवासी महिला ने आवेदन देकर बताया मुझे मेरे पति द्वारा बहुत प्रताड़ित किया जाता है। पति विघुत मंडल में लाइनमैन है और मैं भी आंगनवाड़ी में काम करती हूं। मुझे मेरे पति से तलाक दिलाया जाए में और मेरे बच्चे हम अलग रहेंगे और मैं बच्चों को पाल लूंगी। पति द्वारा आए दिन परेशान करने से मैं अपने पति से तलाक लेना चाहती हूं, अलग रहना चाहती हूं। इस पर पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने पति को बुलाकर दोनों पति-पत्नी की काउंसलिंग की तथा समझाइश दी। दोनों पक्षों ने आपस में राजी खुशी से एक साथ रहने के लिए तैयार हुए। मुस्कुराते हुए घर गए। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी एएसआई रेखा यादव काउंसलर श्रीमती अनीता चोयल, प्रधान आरक्षक आशा डुडवे, आरक्षक जमना बघेल का विशेष सहयोग रहा।

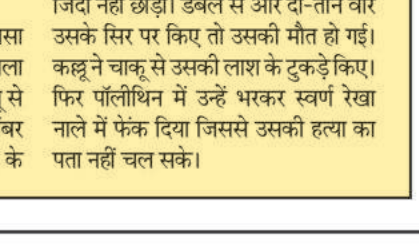

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचना की जाती है कि, वाहन क्रमांक एमपी 69 एमए 4178 स्वर्गीय श्री राजाराम खोड़े पिता हीरालाल खोड़े के नाम से परिवहन कार्यालय अलीराजपुर में रजिस्टर्ड है। उपरोक्त वाहन स्वामी की मृत्यु होने के कारण उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा खोड़े के द्वारा उपरोक्त वाहन क्रमांक एमपी 69 एमए 4178 के नामांकन के दस्तावेज जमा किए गए। उपरोक्त वाहन नामांकन पर अगर किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो सात दिवस के अंदर प्रस्तुत करें।

आज्ञा से :-
जिला परिवहन अधिकारी
जिला अलीराजपुर मध्य प्रदेश

माही की गूंज
बेबाकी के साथ...सच
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

बाप-बेटे की बेरहमी की खुली पोल, डबल से मार उतारा मौत के घांट

ग्वालियर।

जिले के शहर के गेंडेवाली सड़क स्थित नाले में राजू खान की लाश के टुकड़े कर फेंकने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इसी के साथ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी 57 दिन बाद नशा कारोबारी के बेटे नाजिम की गिरफ्तारी के बाद सुलझी है। बता दें कि, कुछ दिन पहले एक व्यक्ति का शव टुकड़ों में बरामद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने केस को सुलझाते हुए आरोपी को पकड़ा है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में कई राज उगले हैं। उसने बताया कि घर के अंदर उसने और उसके पिता कल्लू खान ने सिर पर डंबल मारकर राजू की हत्या की थी। लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसके छोटे-छोटे 20 टुकड़े किए थे और आधी रात को उन्हें पॉलीथिन में भरकर नाले में फेंका गया था।

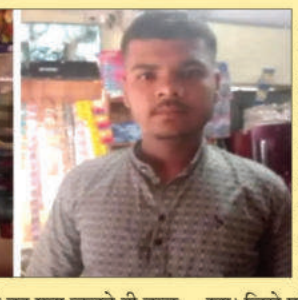

शहर के बहोड़ापुर झाड़ू वाला मोहल्ला निवासी राजू खान के शव के कई टुकड़े 28 सितंबर को जनकगंज थाना क्षेत्र के रामकुई गेंडेवाली सड़क स्थित स्वर्ण रेखा नाले में मिले थे। नाले से कटा हुआ धड़ निकलने पर राजू के परिजनों ने पुलिस से कहा था उसकी हत्या की गई है। पीड़ित परिजनों ने स्मैक तस्कर कल्लू खान निवासी झाड़ू वाला मोहल्ला ने मारा है। उधर नाले से कटी लाश निकलने का पता चलते ही कल्लू खान अपनी पत्नी और बेटे नाजिम के साथ फरार हो गया था। वारदात के 57 दिन बाद जनकगंज पुलिस ने नाजिम को दबोचा तो अंधे कत्ल का राज खुल गया। हत्या के बाद उसके टुकड़े मिलने के बाद हत्यारोपी अजमेर फिर आगरा गए। वहां किराए के मकान में रहकर हत्याकांड में पुलिस कार्रवाई पर नजर रखते रहे। फिर पांच दिन पहले पुलिस से बचने के लिए कल्लू नशा तस्करी केस में कोर्ट में हाजिर हो गया और अदालत के आदेश पर उसे जेल भेजा गया। लेकिन नाजिम दुबका रहा। जिसे पुलिस ने दबोच लिया।

पुलिस की पूछताछ में नाजिम ने खुलासा किया राजू खान से झगड़ा हुआ था। मामला पुलिस तक पहुंचा था।उस मामले में राजू से राजीनामा करना था। इसलिए 21 सितंबर को उसे घर बुलाया था। राजू राजीनामा के बदले 20 हजार रुपये मांग रहा था। हम पैसे देने के लिए राजी हो गए। राजू पैसा लेने घर पर आया था। तब उस बहाने से वह और उसके पिता कल्लू, राजू को सत्यनारायण की टेकरी वाले मकान पर ले गए। जहां, राजीनामा की रकम को लेकर राजू से झगड़ा हुआ। कमरे में पलंग के नीचे डंबल रखा था। गुस्से में उसे उठाकर राजू के सिर पर मार दिया। एक वार में राजू लुढ़क गया फिर उसे जिंदा नहीं छोड़ा। डंबल से और दो-तीन वार उसके सिर पर किए तो उसकी मौत हो गई। कल्लू ने चाकू से उसकी लाश के टुकड़े किए। फिर पॉलीथिन में उन्हें भरकर स्वर्ण रेखा नाले में फेंक दिया जिससे उसकी हत्या का पता नहीं चल सके।

जिले में शिक्षा विभाग में 20 करोड़ का घोटाला, संदिग्ध खातों में हुआ भुगतान

रिश्तेदारों और परिचितों के खाते में कैश ट्रांसफर कर अफसरों ने किया करोड़ों का गबन, दर्ज हुई एफआईआर

माही की गूंज, उदयगढ़।
खलील मंसूरी

योजनाओं के नाम पर सरकार के खज़ाने पर सरकारी मुलाज़िम कैसे डाका डालते है इसकी बानगी देखने को मिली आदिवासी जिले अलीराजपुर में। जहां बच्चों के लिए आई छात्रवृत्ती समेत अन्य कई मदों की करोड़ों की राशि कर्मचारी डकार गए।

कट्ठीवाड़ा ब्लॉक एज्यूकेशन विभाग के जिम्मेदारों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों की खातों में 20 करोड़ से अधिक की राशि ट्रांसफर कर फर्जीवाड़ा कर दिया। पांच सालों से चल रहे इस गोरखधंधे का खुलासा तब हुआ जब वरिष्ट लेखा एवं कोष विभाग ने दस्तावेजों की जांच की।

अलीराजपुर जिला कोषालय से मिले व्हाउचर की ऑडिट के दौरान कोष एवं लेखा विभाग को कट्ठीवाड़ा बीईओ कार्यालय से 135 खातों में संदिग्ध भुगतान मिला। हैरानी की बात यह है की इन 134 खातों में 35 खाते एक ही समाज के लोगों से जुड़े मिले। इसके बाद ही जांच का दायरा बढ़ाया गया और पिछले 5 वित्तीय वर्षों के दस्तावेजों की जांच की गई। जांच में चौकाने वाले आंकड़े सामने जिसमें 20 करोड़ से अधिक की राशि फर्जी खातों में हस्तांतरित पाई गई।

3 माह से अधिक लंबी चली जांच के बाद इंदौर कमीश्नर कार्यालय से मिले प्रतिवेदन के आधार पर अलीराजपुर कलेक्टर ने सहायक आयुक्त में मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये थे, लेकिन पुलिस ने दस्तावेजों की कमी का हवाला देकर प्राथमिकी दर्ज करने से इंनकार कर दिया था। कल देर शाम दस्तावेजों की पूर्ति के बाद प्रभारी लेखापाल कमल राठौड़, 3 तत्कालीन बीईओ समेत 6 कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मामले में आरोपियों के खिलाफ कट्ठीवाड़ा थाने पर अमानत में खयानत व धोखाधड़ी समेत आयपीसी की विभन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस विवेचना पूरी होने पर आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

इनको बनाया आरोपी

** मधूलाल परमार 2018 तक बीईओ रहे, इन्होंने भुगतान अपूव किए थे, वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके है।*

** अच्छेलाल प्रजापति 31 अक्टूबर तक बीईओ रहे, इन्होंने भुगतान अपूव किए थे, वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके है।*

** रामनारायण राठौर 2023 तक बीईओ रहे, इन्होंने भुगतान अपूव किए थे, वर्तमान में प्रभारी प्राचार्य है।*

** मोइनुद्दीन शेख चांदपूर में लेखापाल थे, इन्होंने आईडी व पासवर्ड का उपयोग किया, वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके है।*

** रमेशचंद्र बघेल आमखूंट स्कूल में थे, इन्होंने आईडी व पासवर्ड का उपयोग किया, वर्तमान में शासकीय सेवा में है।*

** कमल राठौड़ प्राभारी लेखापाल थे, इन्होंने डीडीओ कोड से भुगतान किया, वर्तमान में शासकीय सेवा में है।*

सुबह 8 बजे शुरू होगी मतगणना, जिला निर्वाचन अधिकारी ने की प्रबंधों की समीक्षा

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतगणना कार्य 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे शुरू कर दिया जाएगा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 8 बजे से डाक मत पत्रों की गणना प्रारंभ होगी, जबकि ईव्हीएम मशीनों के मतों की गणना 8 बजकर 30 मिनट से प्रारंभ होगी।

मतगणना कार्य को निर्विघ्न और निष्पक्ष सम्पन्न किए जाने हेतु कड़े सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। मतगणना हेतु किये जाने वाले प्रबंधों और व्यवस्थाओं की समीक्षा के संदर्भ में मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के तहत डाक मतपत्रों एवं ईव्हीएम मशीनों की मतों की गणना हेतु किए जाने वाले प्रबंधों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मतगणना कार्य शासकीय महाविद्यालय परिसर अलीराजपुर में संपन्न किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले की दो विधानसभाओं 191 अलीराजपुर एवं 192 जोबट विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना हेतु किए जा रहे प्रबंधों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने डाक मत पत्रों एवं ईव्हीएम मशीनों के मतों की गणना हेतु लगने वाले कर्मचारियों, उनकी ड्यूटी, रेंडमाइजेशन आदि की प्रक्रिया और तैयारियों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आयोग के निर्देशानुसार राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में एवं कडे सुरक्षा प्रबंधों के बीच 3 दिसंबर को सुबह 5 बजे ट्रेजरी स्ट्रॉग रूम से डाक मत पत्रों को गणना हेतु निकालकर विधानसभा वार गणना स्थल पर ले जाया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार 8 बजे से डाक मत पत्रों की गणना प्रारंभ होगी, जबकि ईव्हीएम मशीनों के मतों की गणना 8.30 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना स्थल पर प्रवेश हेतु अधिकारी-कर्मचारियों, अभ्यर्थियों के एजेंटों को अलग-अलग रंग के प्रवेश कार्ड प्रदान किए जाएंगे। मतगणना स्थल पर मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

कलेक्टर ने ईव्हीएम स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण भी किया, ओर मतगणना स्थल पर विधानसभा वार की जाने वाली मतों की गणना हेतु की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना कक्ष में मतगणना हेतु बैठक व्यवस्था, डाक मत पत्रों की गणना, व्हीव्हीपेड पर्चियों की गणना हेतु किये जा रहे प्रबंधों सहित मतगणना दिवस पर किये जाने वाले सुरक्षा प्रबंधों की भी जानकारी ली।

बिजली विभाग का अफसर रिश्वत लेते गिरफ्तार

माही की गूंज, उज्जैन। जिले में एक व्यावसायिक कनेक्शन में 12 हजार रुपए की रिश्वत लेना बिजली विभाग के अफसर को महंगा पड़ गया। लोकायुक्त पुलिस की टीम ने बिजली विभाग के इंजीनियर मणि शंकर मनी को रिश्वत लेते हुए रंग हाथों पकड़ा। लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार, एक होटल संचालक को व्यावसायिक कनेक्शन लेना था। जिसके एवज में बिजली विभाग के सहायक यंत्री ने 12 हजार रुपये की मांग की। कनेक्शन चाहने वाले तृप्ति गुप्ता ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक से की।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा ने कनेक्शन के एवज में मांगी गई रकम की शिकायत का परीक्षण कराया और उसे सही पाए जाने पर सहायक यंत्री को घेरने की रणनीति बनाई। इसी के चलते मंगलवार रात जब कनेक्शन के एवज में 12 हजार रुपए की रकम दी जा रही थी, तभी लोकायुक्त के दल ने सहायक यंत्री मणि शंकर मनी को रंगे हाथों पकड़ लिया।

मावठे की बारिश तो थमी मगर बर्बादी छोड़ गई, तेज हवा पानी से कई फसले हुई खराब

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में विगत दिनों हुई बे मौसम वर्षा ने कृषकों की कमर तोड़ दी। इस वर्षा से लाभ के साथ ही काफी नुकसानी कृषको को उठानी पड़ी।

26 नवंबर की दोपहर से लेकर 27 नवंबर की सुबह तक तेज हवा के साथ हुई वर्षा से रबी फसल की बुवाई तथा तैयारी कर रहे कृषकों को खेतों में सिंचाई से बचाया मगर जिन खेतों में चना, गेहूं उग आए हैं उनमें कीड़ों (इल्ली तथा गेरुआ) की संभावना बढ़ गई है अचानक हुई बारिश से खरीफ फसल का भूषा खलियानों में भीग गया। साथ ही सर्वाधिक हानि मक्का फसल को हुआ खेतों में मक्का आड़ी पड़ गई साथ ही खेतों में खिला हुआ कपास भीग जाने के कारण भार बढ़ने के कारण कपास की टहनियां टूट कर तथा कपास के तने जमीन पर गिरने के कारण कपास की फसलों को भी हानि होने के समाचार है।

ग्रामीण कृषको का कहना है...

भोरदू के कृषक कमलसिंह कनेश ने बताया, मेरे खेत में खड़ी मक्का की फसल जिसमें भुट्टे लगने की तैयारी थी तेज हवा पानी के कारण आड़ी पड़ जाने से नुकसानी हुई।

ग्राम बड़ी के कृषक राजू पटेल रावत ने बताया, खेतों में कपास के पौधों पर कपास खिल रहा था तथा बिनाई की जा रही थी इसी बीच यह वर्षा हो गई, जिस कारण कपास के फूलों में पानी भरने से वह भारी होकर पौधों तथा डोलियों सहित खेतों में बिछ जाने से हानि हुई।

बोरझाड़ कृषक ठाकुर राजेंद्र सिंह राठौर ने बताया, खेतों में चने की फसल बड़ी हो रही है ऐसे में अचानक आसमान पर बादल छाने वर्षा होने से तथा धूप नहीं निकलने के कारण फसल पर इल्ली के प्रकोप होने की आशंका बढ़ गई है।

फसलों का निरीक्षण कर किसानों को दी उचित सलाह

माही की गूंज, शाजापुर।

रबी वर्ष 2023-24 में फसलों की स्थिति, कीट व्याधि प्रकोप का निरीक्षण एवं नियंत्रण तथा कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन के लिए उप संचालक कृषि केएस यादव द्वारा जिले में निगरानी दल का गठन किया गया है। दल में सहायक संचालक कृषि राजेश सिंह चौहान, अनुविभाग शाजापुर अनु. कृषि अधि. कुं. रानी चौधरी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ. डीके तिवारी को सम्मिलत किया गया है।

उक्त दल द्वारा गत दिवस ग्राम सतगांव, नारायणगांव, हरणगांव, पतोली, बावल्याखेड़ी आदि में गेहूँ, चना, सरसों एवं मसूर फसलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में गेहूँ फसल में खरपतवार फेलेरिस माइनर (गेहूँ का मामा) के नियंत्रण के लिए कृषकों को बोनी के 20 से 25 दिन बाद सल्फो सल्फ्युरॉन 75 प्रतिशत डब्लूजी मेट सल्फ्युरॉन 5 प्रतिशत डब्लूजी या क्लोडीनोफोप प्रोपारजिल 15 प्रतिशत डब्लूपी .मेट सल्फ्युरॉन मिथाईल 1 प्रतिशत डब्लूपी, 400 ग्राम 500 लीटर पानी में प्रति हेक्टर बोनी के 30 से 35 दिन बाद खेत में पर्याप्त नमी होने पर छिड़काव की सलाह दी गई।

निरीक्षण में चने की फसल में इल्ली (गुलाबी सुंडी, रस चुसक कीट, कटवार्म, पत्ती रोलर, एफीड) का प्रकोप प्रारंभिक अवस्था में पाया गया, जिसके नियंत्रण के लिए कृषकों को कृषि वैज्ञानिक द्वारा जैविक नियंत्रण के लिए खेत में बीच-बीच में पक्षियों के बैठने हेतु ÷टी÷ आकार की खूंटी लगाने की सलाह दी गई। साथ ही रासायनिक नियंत्रण के लिए प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत . साइपरमेथ्रिन 4 प्रतिशत, 1 से 1.5 एमएल प्रति लीटर (30 से 35 मि.ली. प्रति पम्प) के मान से छिड़काव करने की सलाह दी गई।

उपसंचालक कृषि ने बताया कि, इस सप्ताह हल्की बारिश की संभावना है, इस स्थिति में यदि बादल छाये रहते हैं तो किसान भाई अपनी फसल की सतत् निगरानी एवं कीट व्याधि का प्रकोप होने पर कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

सकल जैन श्री संघ की नवकारसी का हुआ आयोजन

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जैन धर्म एक विचार धारा है जिसमे हर प्रत्येक बात का अपना एक महत्व होता है। जैसे की चार्तुमास एक धर्म की ऐसी व्यवस्था है, जिसमे चार माह के चार्तुमास में साधु साध्वी भगवन्त एक स्थान पर धर्म आराधना करते है और जन जन तक भगवान महावीर की वाणी को संदेश को व्याख्यान के माध्यम से सुनाते है एवं आत्मसार्थ कराकर आत्म कल्याण का मार्ग बताते हैं। फिर कार्तिक पूनम को चातुर्मास समापन पर धर्म स्थान से विहार करते हैं। इसी तारतम्य में जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार द्वारा प्रति वर्ष श्री आदिनाथ जैन मन्दिर रोजाना पर सकल जैन श्री संघ की नवकारसी का आयोजन रखा गया। जिसमे लोकप्रिय विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने सकल जैन समाज के साथ आयोजन में अपनी सहभागीता की एवं आयोजन के दोरान रोजाना जैन मन्दिर पर दर्शन वंदन किए एवं सुंदर आयोजन के लिए ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल धारीवाल,जैन सोश्यल ग्रुप प्रदेश रीजन के उपाध्यक्ष संदीप रांका, पूर्व अध्यक्ष पंकज काँठेड, अध्यक्ष आलोक बरैया एवम् सभी ग्रूप के सदस्यों को साधुवाद दिया। जेएसजी जावरा मैत्री पिछले 11 वर्षो से लगातार उक्त आयोजन ग्राम रोजाना पर कर रहा है। इस दोरान आयोजन व्यवस्था में जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री संस्थापक अध्यक्ष अनिल धारीवाल, जेएसजी प्रदेश रीजन के उपाध्यक्ष संदीप रांका, पूर्व अध्यक्ष पंकज काँठेड, अध्यक्ष आलोक बरैया, पूर्वाध्यक्ष आशीष पोखरना, राजीव लुक्कड, के साथ सचिव अर्पल कोचट्टा,कोषाध्यक्ष पीयूष काँठेड, अजय पटवा, मनीष मेहता, राहुल मेहता, संदीप तलेरा, शशांक मेहता, आशीष चत्तर, मनीष धारीवाल,संदीप दसेड़ा, शरद डूंगरवाल, संदीप जैन, राजेश हिंगड़, पुखराज सुराणा, संदीप श्रीमाल, राजीव लुहाड़िया, मनीष पोखरना, डॉ. सुमीत ललवानी, डॉ. ऋषि मेहता, विभोर जैन, पंकज जैन, लोकेश कांठेड, राजेश पोखरना, सौरभ पगारिया, अजय कांठेड, संतोष तलेसरा आदि उपस्थित थे।

चर्चाओं का बाजार गर्म, तीन दिसम्बर को होगा उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

माही की गूंज, मंदसौर।

विधानसभा चुनावों के परिणाम 3 दिसम्बर को आना है। इससे पहले चर्चाओं का बाजार गर्म हो चुका है। सट्टा बाजार में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। इस जीत हार पर इन्होने बडी राशि भी लगा रखी है।

इस बार मंदसौर जिले की चारों विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस में मुख्य मुकाबला देखने को मिला और कौन जीतेगा यह स्थिति भी स्पष्ट नहीं है। मल्हारगढ विधानसभा में जरूर निर्दलीय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन उन्हें कितने वोट मिलेंगे, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता है।

शादियों का सीजन शुरू हो चुका है और शादियों के साथ सिर्फ चुनाव परिणामों की बातें हो रही हैं। इधर, मंदसौर जिले का सट्टा बाजार भी सक्रिय हो गया है और कई लोग जीत हार के दांव लगा रहे हैं। मंदसौर जिले में भाजपा सत्ता कायम रखने के प्रति आश्वस्त है तो वहीं कांग्रेस भी दावा कर रही है कि इस बार मंदसौर के साथ प्रदेश में भी कांग्रेस का परचम लहरायेगा। फिलहाल मंदसौर जिले की चार विधानसभा मंदसौर, सुवासरा, मल्हारगढ, और गरोठ चारों पर भाजपा का कब्जा है।

मतगणना में सुवासरा में 22 राउंड मंदसौर व गरोठ में होंगे 20-20 राउंड

मंदसौर के महाविद्यालय परिसर में 3 दिसंबर को मतगणना होना है। प्रातः 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। जिसमें सबसे पहले डाक मत पत्रों की गणना होगी उसके बाद प्रातः साढ़े 8 से मतगणना के चरण में ईवीएम के मतों की गणना शुरू होगी। जिले की सुवासरा विधानसभा क्रमांक 226 में सर्वाधिक पोलिंग बूथ 305 हैं जिसमें 22 राउंड में मतगणना होगी, जबकि मंदसौर व गरोठ में 20-20 राउंड में मतगणना होना है। वहीं मल्हारगढ़ में 281 पोलिंग बूथ होने पर 21 राउंड में मतगणना होगी।

मतगणना स्थल पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच चारों तरफ जिला निर्वाचन अधिकारी की मॉनिटरिंग में मतगणना होना है। चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी मंदसौर में पहली बार मतगणना में महिला अधिकारी कर्मचारियों द्वारा गणना कराई जाएगी। हालांकि इस पर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज करवाई थी लेकिन अभी तक तो निर्वाचन आयोजन ने इस पर कोई फैसला नहीं दिया है।

माफियाओं से निपटना बड़ी चुनौती होगी नई सरकार के लिए...

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। मध्य प्रदेश शांति का टापू है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यहां माफियाओं की संख्या में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है चाहे वह रेत माफिया हो, शराब माफिया हो, भू माफिया हो, खनन माफिया हो या फिर खनिज माफिया। यह भी तय है कि, इन माफियाओं का इजाफा इनके होसले बुलन्द प्रशासनिक नुमानिन्दो व राजनितिक नेताओं तथा जनप्रतिनिधिओं के सरंक्षण के साथ ही हुए है और अब इनके हौसले इतने बुलंद है कि, वे प्रशासन के खिलाफ भी मोर्चा खोल देते हैं। यही नहीं इन बैलगाम माफियाओं के होसले इतने बुलन्द हो गये है कि मौका आने पर वे बेरहमी से पेश आकर किसी की जान तक ले लेते हैं।

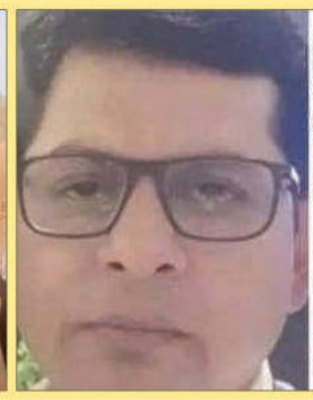

हाल ही में शहडोल जिले के ब्यौहरी में रेत माफियाओं द्वारा पटवारी प्रसन्न सिंह की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी। जिसके बाद फिर प्रदेश में कानून व्यवस्था के नाम पर माफिया राज होने की बात सामने आई है।

जब मामला हत्या जैसे जघन्य अपराध से जुड़ा हो वो भी सरकारी कर्मचारी का तो, सरकार पर उंगली उठना स्वाभाविक ही है। पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल आर्मी में साढ़े 16 वर्ष नौकरी करने के बाद रिटायर्ड हुए तथा पिछले कुछ दिनों से लगातार राजस्व टीम के साथ वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रेत माफियाओ के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे। ऐसे में रेत माफियाओं ने बड़ी बेरहमी से उनका सर ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी। मध्य प्रदेश में इस तरह हत्या का यह पहला मामला नहीं है इसके पूर्व भी 2015 में मुरैना के कांस्टेबल धर्मेंद्र चौहान, 2016 में ग्वालियर के बानमोर में फॉरेस्ट गार्ड नरेंद्र शर्मा हत्या तथा 2018 में छतरपुर के बिजावर में अभिषेक तोमर को अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही में ,ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया जा चुका है आदि ऐसे कई मामले मध्य प्रदेश में हो चुके है।

यह कहानी है रेत माफियाओं की जिन्होंने ईमानदारी से कार्य करते हुए सरकारी कर्मचारियों को मौत के घाट उतार दिया। इसके अलावा भी प्रदेश में कई तरह के माफिया सक्रिय है जिससे आम जनता खासी परेशान है लेकिन इन माफियाओं की दादागिरी के चलते अपनी पर बीत रही हकीकत को बयां नहीं कर सकते। प्रदेश की भांति ही आदिवासी बाहुल्य इस जिले में अवैध शराब माफियाओं, भू-माफियाओं और खनन माफियाओ का आतंक है जिससे सभी परेशान तो है लेकिन सख्त कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। प्रदेश को माफिया मुक्त हेतु नई सरकार को इन माफियाओं से निपटना एक बड़ी चुनौती साबित होगा।

मावठे का किस पर होगा असर, किसकी होगी फसल खराब और किसको होगा फायदा

राजनीति भी मावठे की स्थिति में, किसका फायदा किसका नुकसान, सब असमंजस में

माही की गूंज, झाबुआ।

मौसम के बदलते मिजाज ने सबके गणित बिगाड़ कर रख दिए है। मावठे से मौसम में ठंडक घुल गई है, तो ठिठुरन ने लोगों को दुबकने पर मजबूर कर दिया है। मावठे का यह समयकाल भी अजब ही संयोग लेकर आया है। नवम्बर के लगभग पूरे माह ठंड का कोई नामो निशान नहीं था। इसके उलट राजनीतिक चुनावी सरगर्मियां सर चढ़कर बोल रही थी। यहां यह कहना भी गलत तो नहीं होगा कि, चुनावी गर्मियों के कारण ही ठंड अपनी दस्तक नहीं दे पा रही थी। प्रदेश सहित जिले में भी राजनीतिक सरगर्मियां सर चढ़कर बोल रही थी। चुनावी सरगर्मियां ही थी जो शीत ऋतु के आड़े आ रही थी। अब जबकि प्रदेश व जिले में विधानसभा चुनावों को लेकर 17 नवम्बर को मतदान शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हो जाने के बाद से मौसम ने भी करवट बदली। जैसे ही मतदान पश्चात चुनावी और राजनीतिक गर्मियां शांत हुई शीत ऋतु ने भी अपना दम दिखाया और मावठे की आमद हो गई। मावठे मे होने वाली बारिश ने भी अपनी पूरी कसर निकाली और जिले में 24 घंटे में लगभग 3 इंच बारिश हो गई। इस मावठे ने माहौल को द्विअर्थी बना दिया है। कहा यह जा रहा है कि, यह मावठा एक तरफ तो कुछ फसलों के लिए अमृत है लेकिन दूसरी तरफ कुछ फसलों के लिए नुकसानदायक है। अब सवाल यह है कि, इस मावठे का किस पर कितना असर होगा, किसकी फसल खराब होगी और किसको होगा फायदा...?

हाल फिलहाल देश के पांच राज्यों में चुनाव संपन्न हो चुके है। विधानसभा चुनावों को लेकर मध्यप्रदेश में 17 नवम्बर को मतदान भी संपन्न हो चुका है। जिले की राजनीतिक स्थिति भी अब मावठे वाली ही नजर आ रही है। 17 नवम्बर को हुए मतदान रूपी मावठे ने सबको हिलाकर रख दिया है। किसी को कोई सटीक अंदाजा भी नहीं लग पा रहा है कि, राजनीति का यह मावठा किसको नुकसान पहुंचाएगा और किसको फायदा पहुंचाएगा। तमाम राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की स्थिति असमंजस में ही दिखाई पड़ रही है। जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर जिले में दोनों राजनीतिक पार्टियों के अपने-अपने गणित और दावे सुनाई दे रहे है। मगर स्पष्ट स्थिति किसी के पास नहीं है। खैर अब कोई चिंता की बात नहीं है महज दो दिनों बाद मतगणना होनी है और इसी दिन यह फैसला हो जाएगा कि, किसकी फसल को कितना नुकसान या फायदा हुआ है...?

दिग्गजों का भविष्य दाव पर

जिले की तीनों विधानसभाओं में प्रमुख राजनीतिक दलों से कई दिग्गज इस चुनावी मैदान में उतरे है। 17 नवम्बर को

भाजपा प्रत्याशी भानू भूरिया

मतदान संपन्न हो चुका है और सभी का भविष्य ईव्हीएम में कैद हो चुका है। इन दिग्गजों के भविष्य का पिटारा दो दिन बाद यानि 3 दिसम्बर को खुलेगा। फिलहाल स्थितियां असमंजस वाली ही है और तमाम दिग्गजों का भविष्य दाव पर ही है।

भानू के भविष्य पर सवाल...?

जिले की तीनों विधानसभाओं में से सबसे रौचक मुकाबला जो है वह झाबुआ विधानसभा में दिखाई पड़ सकता है। झाबुआ विधानसभा से भाजपा की ओर से जिलाध्यक्ष रह चुके भानु भूरिया मैदान में है। इनका राजनीतिक सफर अब तक बहुत ही तेजी से आगे बढ़ा है, एबीवीपी से आगे बढ़कर भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पद पर काबिज हुए और देखते ही देखते भाजपा जिलाध्यक्ष के पद तक पहुंच गए। चुनावी दृष्टिकोण से अगर देखा जाए तो इन्हे अब तक सफलता नहीं मिल पाई है। 2019 में हुए विधानसभा उप चुनाव में भी भाजपा ने इन्हे अपना उम्मीद्वार बनाकर मैदान में उतारा था लेकिन इन्हे पराजय ही हाथ लगी थी। इस बार फिर से पार्टी ने भरोसा जताकर इन्हे टिकट दिया है। यह दूसरा मौका है जब भानु भूरिया चुनावी मैदान में है। इसके अलावा इनकी पत्नी जरूर जिला पंचायत सदस्य का चुनाव पिछले वर्ष जीत चुकी है। 3 दिसम्बर को जारी होने वाले परिणाम यह तय करेंगे कि, भानु भूरिया का अगला भविष्य क्या है...? क्योंकि अगर भानु इस विधानसभा चुनाव में फिर से पराजित होते है तो यह उनके राजनीतिक भविष्य के लिए अच्छा तो नहीं होगा। कुल मिलाकर इस विधानसभा चुनाव में भानु का भविष्य दाव पर ही माना जाएगा।

भूरिया की इज्जत दाव पर...?

इधर झाबुआ विधानसभा से ही विक्रांत भूरिया कांग्रेस की ओर से मैदान है। विक्रांत की स्थिति भी राजनीतिक स्तर पर भानु से अलग नहीं है। 2018 के विधानसभा चुनाव में विक्रांत भूरिया को अपने पहले चुनाव में बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा था। हालांकि संगठन में विक्रांत का कद काफी बढ़ा है। वे वर्तमान में युवक कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष है। मगर चुनावी दृष्टिकोण से वे अब तक अपने खाते में चुनावी जीत दर्ज नहीं करवा पाए है। संगठन में मिली उपलब्धी को भी शायद उनकी अपनी उपलब्धी नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि विक्रांत भूरिया पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व सासंद, पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कांतिलाल भूरिया के सुपुत्र है। कांतिलाल भूरिया प्रदेश कांग्रेस में बहुत बड़ा नाम माना जाता है। इसके अलावा कांग्रेस के केंद्रीय संगठन में भी कांतिलाल भूरिया की अच्छी पकड़ है, और यही वह कारण है जो विक्रांत को बहुत कम समय में प्रदेश की राजनीति में जगह दिलवाने के लिए काफी था। पिछला चुनाव हारने के बावजूद विक्रांत को फिर से

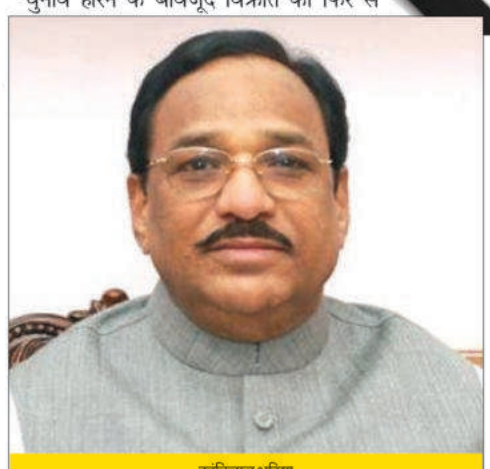

कांतिलाल भूरिया

कांग्रेस प्रत्याशी विक्रांत भूरिया

कांग्रेस ने मौका दिया और इसका कारण भी सिर्फ और सिर्फ उनके पिता कांतिलाल भूरिया ही है। हालांकि इस मुद्दे को लेकर कई बार कांतिलाल और कांग्रेस पर परिवारवाद के आरोप लगते आए है। इसी परिवारवाद के चलते जिले में कांतिलाल को कई बार बागियों का सामना करना पड़ा है और बागियों की वजह से पराजय का मुंह भी देखना पड़ा है। अगर इस बार भी विक्रांत भूरिया हारते है तो इस हार को विक्रांत के साथ-साथ कांतिलाल की हार के रूप में देखा जाएगा। मतलब सीधे तौर पर यहां पिता -पुत्र दोनों ही के भविष्य दाव पर लगे हुए है। हालांकि बताने वाले यह बताते है कि, इस पूरे चुनाव में जिले की तीनो विधानसभाओं की बजाय कांतिलाल भूरिया का पूरा फोकस झाबुआ विधानसभा पर ही रहा है। अगर झाबुआ विधानसभा के परिणाम विक्रांत के पक्ष में आते है तो भी भूरिया पर यह आरोप लगना तय है कि, पुत्र मोह ने जिले की दो विधानसभाओं में कांग्रेस की बली चढ़ा दी।

भूरिया की भोपाल से दिल्ली तक की प्लानिंग...

वैसे तो जिले व संसदीय क्षेत्र में कांतिलाल भूरिया को एक कद्दावर नेता के रूप में देखा जाता रहा है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में कांतिलाल को मुंह की खानी पड़ी थी। भाजपा के गुमानसिंह डामोर ने इन्हे परास्त किया था। जिसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि, कांतिलाल भूरिया की राजनीति का अब अंत है। लेकिन गुमानसिंह के लोकसभा चुनाव लड़ने से झाबुआ विधानसभा सीट खाली हुई और यहां कांतिलाल विधानसभा उप चुनाव में जीत कर फिर से विधायक बन गए। अब चूंकि इस बार कांतिलाल विधानसभा चुनाव में अपनी जगह अपने बेटे को लड़वा रहे है तो यह साफ तौर पर संकेत है कि, कांतिलाल ने लोकसभा की तैयारी शुरू कर दी है। कांतिलाल भूरिया की भोपाल से लेकर दिल्ली तक की प्लानिंग भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। 3 दिसम्बर को आने वाले विधानसभा चुनावों के परिणाम भूरिया की प्लानिंग को कितना कमजोर या मजबूत करेंगे यह देखने वाली बात होगी। अगर विक्रांत झाबुआ विधानसभा में किला लड़ाने में कामयाब हो जाते है तो कांतिलाल भूरिया की आधी प्लानिंग लगभग कामयाब हो जाएगी। विक्रांत की जीत यह भी तय कर देगी कि, कांतिलाल लोकसभा चुनावों में मजबूती से अपनी दावेदारी रखेंगे। हालांकि लोकसभा चुनावों और उसके आने वाले परिणामों में अभी काफी समय है। इसलिए यह तो नहीं कहा जा सकता कि, कांतिलाल भूरिया की दिल्ली की राह एक दम आसान है। मगर यह तो तय है कि, दोवदारी पक्की है। अपने पुत्र को भोपाल विधानसभा तक पहुंचाने के बाद यह भी तय है कि, कांतिलाल भूरिया लोकसभा का चुनाव लड दिल्ली पहुंचने में एड़ी चोटी का जोर लगाएंगे। अगर परिणाम सही रहे और कांतिलाल भूरिया लोकसभा चुनाव पर दिल्ली पहुंचने में कामयाब हो गए तो झाबुआ से भोपाल और भोपाल से दिल्ली तक भूरिया राज नजर आएगा। इसके विपरीत अगर कांतिलाल लोकसभा में पराजित होते है तो यह उनकी राजनीति का अंत या उनके संयास की तैयारी के कयास लगाए जा सकते है।

चुनावी नतीजों के कयास

वैसे देखा जाए तो जिले की तीनों विधानसभाओं को लेकर काफी गहमा-गहमी देखी जा रही है। हर कोई अपनी जीत के दावे कर रहा है। मगर चौक-चौराहों की चर्चाओं के अपने ही अंदाजी घोड़े है। जिले में जनचर्चा का विषय यह है कि, इस बार जिले में 2-1 के समीकरण बन रहे है। यह 2-1 के समीकरण किसके पक्ष में बन रहे है यह स्पष्ट नहीं है। थांदला विधानसभा में यह माना जा रहा है कि, टक्कर काफी करीबी है और ऊंट किस करवट बैठेगा कहा नहीं जा सकता। यहां निर्दलीयों की भूमिका भी असमंजस पैदा कर रही है।इसी तरह पेटलावद विधानसभा के लिए यह माना जा रहा है कि, जिस पार्टी के पक्ष में रामा बेल्ट जाएगा परिणाम उसी के पक्ष में आएंगे। चौराहों की चर्चा में पेटलावद विधानसभा में 60-40 का गणित बैठाया जा रहा है। 60-40 के इस गणित में सबके अपने-अपने दावे है। 3 दिसम्बर को इव्हीएम का पिटारा खुलेगा और परिणाम सबके सामने होंगे। मगर हाल फिलहाल चुनावी राजनीति मावठे की स्थिति में आ गई है। किसका फायदा, किसका नुकसान, सब कुछ असमंजस की स्थिति में है।

नतीजों की तारीख निकट आते ही बढ़ने लगी प्रत्याशियों और समर्थकों की चिंता

हार जीत के आंकड़े पर सट्टा बाजार भी नहीं कर पा रहा कोई बड़ा दावा

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

2023 विधानसभा चुनावों के लिए हुए मतदान के बाद अब नतिजो का समय है जो बेहत नजदीक आ चुका है और नतीजों को लेकर अब प्रत्याशियों ओर उनके समर्थको में भी चिंता की लकीरें देखी जा रही है। 3 दिसम्बर रविवार को विधानसभा चुनाव में किस की बाज़ी लगी है इसका खुलासा हो जाएगा। पेटलावद विधानसभा का मुकाबला हर बार से ज्यादा रोचक नजर जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस सहित भारत आदिवासी पार्टी के प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। वही इन दलों के समर्थक अभी भी अलग अलग क्षेत्रो से आंकड़े जमा करने में लगे हुए है। कोई भी पूरी तरह से आश्वस्त नही दिख रहा शंका कुशंका के बीच जीत के दावो के साथ किंतु-परन्तु लगा कर जीत पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं।

सट्टा बाजार में भी हलचल, भाव मे कोई ज्यादा फर्क नही , सरकार पर भी एक तरफा दावा नही

इस बार सट्टा बाजार की स्थिति भी साफ नही है, सट्टा बाजार में भी पेटलावद विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा के जीत-हार के भाव 70-80 पैसे खोल रहे हैं। कुछ इसी तरह सरकार को भी लेकर कन्फ्यूजन जारी है और दोनों के लिये सट्टा बाजार का कोई बड़ा मजबूत दावा किसी एक दल के लिए नही है। हार जीत के अंतर को लेकर भी इस बार पेटलावद विधानसभा पहले से ज्यादा करीब बताई जा रही है। हालांकि कई भाजपा नेता इस बार पेटलावद से बड़ी जीत का दावा कर चुके हैं लेकिन खुद कांग्रेस के प्रत्याशी वालसिंह मेड़ा इस बार उनकी जीत के लिए दो से तीन हजार वोटों से जीत की बात कर रहे हैं।

पेटलावद विकास खण्ड में कांग्रेस तो रामा में भाजपा के भारी होने के कयास

मतदान से जो भी फिट बेक अब तक आई हैं उसके हिसाब से पूर्व की तरह इस बार भी कांग्रेस, पेटलावद विकास खण्ड से बढ़त बना सकती है। तो भाजपा के लिए रामा विकास खण्ड पहले की तरह बढ़त दिलाता दिख रहा है। पूर्व में जितनी बढ़त दोनों दलों को इन क्षेत्रों से मिली थी उसमें आम आदमी पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी ने बड़ी सेंध मारी तो नतीजे प्रभावित होंगे ये तय है। पेटलावद विकास खण्ड में बाप की मजबूत उपस्थिति के चलते भाजपा के नेता पूरी तरह से आश्वस्त है। इस बार भाजपा, सारंगी और रायपुरिया क्षेत्र से 5 हजार और पेटलावद क्षेत्र से 5 हजार, कुल दस हजार की बढ़त के दावे के साथ रामा विकास खण्ड में कांग्रेस के सफाये कर रहे हैं। वही कांग्रेस के नेता बाप पार्टी पर लगाम लगा कर ओपीएस के मुद्दे के दम पर कर्मचारियों के वोटो के सहारे पेटलावद विकास खण्ड में पुराने परिणाम से बेहतर परिणाम का दावा ठोक रहे हैं। रामा में भाजपा को पूरा विश्वास है कि, पूर्व में मिली 12 हजार से अधिक की बढ़त इस बार 15 हजार पार होगी तो कांग्रेस के अनुसार रामा विकास खण्ड में निर्विरोध जनपद अध्यक्ष बिठाने और आम आदमी पार्टी की उपस्थिति के चलते कांग्रेस ने बड़ी वापसी रामा में की है। दावों के बीच उठ किस करवट बैठेगा ये फिलहाल भविष्य की गर्त में है।

भाजपा के साथ भीतरघात की संभावना ज्यादा

पूरे चुनाव के दौरान कांग्रेस और भाजपा के बागी और भविष्य में अपनी राजनीतिक जमीन खोज रहे नेताओं से भीतरघात की संभावनाओ से इंकार नही किया जा सकता। कांग्रेस के सामने बड़ी चुनोती मालू डामोर से निपटने की थी जो नामांकन वापस लेने के बाद पूरे चुनाव में कही नजर नही आये और उनके कार्यकर्ता भाजपा, कांग्रेस और बाप पार्टी में बट गए । भाजपा के लिए सबसे मुश्किल चुनौती भितरघातीयो के पहचान की थी जिंसमे कही न कही सफल नही हो पाई। भाजपा का सांसद खेमा पूरी तरह से नदारद रहा तो टिकिट के दूसरे दावेदार भी अपनी जमीन खोजते नजर आये जो भाजपा की जीत से कही न कही मिलती नही दिखी जिससे कई नेता संशय की स्थिति में है कि, उन्होंने कितना काम किया है। दो माह पहले टिकिट मिलने के बाद भी निर्मला भूरिया निजी तौर पर खुद के नेताओं को नही साध पाई और कई बड़े गाँवो में जनसम्पर्क तक नही कर पाई। कई नेता चुनाव के अंतिम समय में जुड़े या अंतिम समय तक दूरी बना कर रहे जो कांग्रेस के लिए मजबूत पक्ष बनता दिखा। भाजपा की जीत पूरी तरह से संगठन की संरचना पर निर्भर हो गई है जहां बूथ तक पहुच कर काम किया गया हैं। गुजरात से आई टीम लगातार ग्रामीण क्षेत्रो में भ्रमण ओर संघ के अंतिम समय मे मोर्चा सँभालना भाजपा के लिये फायदेमंद हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422